

युवाओं के सपने हो रहे साकार सारथी बन रही झारखण्ड सरकार

मुख्यमंत्री सारथी योजना अंतर्गत बिरसा योजना

(Block Level Institute for Rural Skill Acquisition)
एवं रोजगार प्रोत्साहन भत्ता/परिवहन भत्ता वितरण का
शुभारंभ

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री आलमगीर आलम

माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती
राज एवं संसदीय कार्य विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री सत्यानंद भोक्ता

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण
एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

गरिमानयती उपस्थिति

डॉ महुआ माजी

माननीया सांसद, राज्यसभा

श्री संजय सेठ

माननीय सांसद, लोकसभा, रांची

श्री सी. पी. सिंह

माननीय विधायक, रांची

दिनांक : 22 जुलाई, 2023 | समय: अपराह्न 1 बजे

स्थान : आर्यभट्ट सभागार, रांची विश्वविद्यालय

योजना हेतु पात्रता (आयु)-

- सामान्य वर्ग: 18-35 वर्ष
- एससी/एसटी/ओबीसी वर्ग: 18-50 वर्ष तक

बिरसा केंद्र-

- प्रथम चरण में 80 प्रखण्डों में केंद्र की शुरुआत
- प्रखण्ड स्तर पर नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था

रोजगार प्रोत्साहन भत्ता-

- युवकों को ₹1,000 प्रतिमाह
- युवतियों/दिव्यांग/परलौकिक को ₹1,500 प्रतिमाह
(प्रशिक्षण के बाद सफल प्रशिक्षणार्थियों को तीन माह के अंदर नियोजन नहीं होने की स्थिति में भत्ता अधिकतम एक वर्ष के लिए DBT के जरिए)

परिवहन भत्ता-

- ₹1,000 प्रतिमाह
(गैर-आवासीय प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों को उनके घर से प्रशिक्षण केंद्र आने-जाने के लिये भत्ता DBT के जरिए)

टोल फ्री नम्बर: 1800-123-3444

श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार

आज

बेबाक

मणिपुर में मानवता पर मचुकी है। घटना के दो माह बाद यदि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल नहीं होता तो इतनी शर्मनाक घटना पर पर्दा पड़ जाता। मणिपुर में यदि ऐसी और भी अमानवीय घटनाएं हुई हो तो ताज्जुब नहीं होगा, क्योंकि वहां पूरी तरह से अराजकता फैली हुई है। मणिपुर सरकार मूक दर्शक बनकर तमाशा देख रही है। सारे देश का सिर शर्म से झुका हुआ है। इस घटना पर संसद में चर्चा नहीं बल्कि फैसला हो। नारी अस्मिता को तार-तार करने वाले दरिंदो को फांसी की सजा देने के लिए कानून बने। तभी पीड़ितों को इंसाफ मिलेगा।

//-- सुविचार --//

नीयत कितनी भी अच्छी हो, दुनिया आपको आपके दिखावे से जानती है और दिखावा कितना भी अच्छा हो, उपरवाला आपको नीयत से जानता है।

सूच्योदय/सूच्यस्त

उदय : 05:14 प्रातः

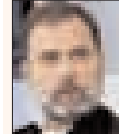
अस्त : 06:36 संध्या

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.0	23.0
जमशेदपुर	33.0	27.0
हजारीबाग	33.0	29.0
डालटनगंज	35.0	28.0

संक्षिप्त खबरें

मोदी सरनेम केस में गुजरात सरकार को सुप्रीम नोटिस



नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस बीआर गवाड़ और प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने राहुल के खिलाफ शिकायत दर्ज करने वाले पूर्णेश मोदी और गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया है। इस पर 10 दिनों में जवाब देना होगा। इस मामले में अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी। दरअसल, राहुल गांधी ने 2019 में मोदी सरनेम को लेकर एक बयान दिया था। इसके खिलाफ भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने मानहानि की शिकायत दर्ज करायी थी। मामले में सूत्र कोर्ट ने राहुल को 2 साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उनकी सांसदी चली गयी थी। सजा के खिलाफ राहुल सूत्र सेशन कोर्ट और गुजरात हाईकोर्ट भी गए थे, लेकिन वहां से उन्हें राहत नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने 15 जुलाई को सजा पर रोक लगवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगायी। वहीं, पूर्णेश मोदी ने भी कोर्ट से अपील की थी कि उन्हें सुने बिना फैसला नहीं दिया जाए।

मुख्यमंत्री ममता के आवास में कार से घुसपैठ की कोशिश



कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा में 21 जुलाई (शुक्रवार) को चूक हो गई। नूर आलम नाम का एक शख्स कार लेकर ममता के कोलीघाट स्थित घर में घुसने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। पकड़े गए शख्स की कार से एक बंदूक, एक चाकू और गांजा बरामद किया गया है। घटना के वक्त ममता बनर्जी घर पर मौजूद थीं। कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल ने बताया कि आरोपी की कार पर पुलिस का स्टिकर लगा हुआ था। उसके पास बीएसएफ और दूसरी एजेंसियों के कई आईडी कार्ड भी मिले। आरोपी का कहना था कि वह सीएम से मिलने आया था। कमिश्नर ने कहा, 'आरोपी बेतुकी बातें कर रहा था। यह एक गंभीर मुद्दा है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में वर्तमान विधि-व्यवस्था की स्थिति पर राज्य के वरीय पुलिस अधिकारियों को किया तलब, दिया निर्देश

पुलिस कार्यशैली सुधारे अन्यथा होगी कार्रवाई

नव प्रदेश संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज विधि-व्यवस्था के संधारण को लेकर राज्य के वरीय पुलिस अधिकारियों को तलब किया। मुख्यमंत्री ने वर्तमान समय में राज्य के भीतर हो रही छोटी-बड़ी अपराधिक घटनाओं को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री ने अगले 15 दिन के अंदर राज्य में विधि-व्यवस्था संधारण की स्थिति में सुधार लाने का निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि पुलिस अपनी कार्यशैली में सुधार करते हुए अपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाएं, अगर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित पुलिस अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में अपराधियों ने विधि व्यवस्था संधारण को धत्ता बताते हुए कई जघन्य अपराध को अंजाम देने का काम किया है। किसी भी हाल में ऐसे अपराध स्वीकार्य नहीं है। वर्तमान समय में हो रही अपराधिक घटनाएं राज्य के लिए चिंता का विषय है। अपराधिक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इस निमित्त पुलिस बिना किसी दबाव के अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। मौके पर राज्य के डीजीपी अजय कुमार सिंह, एडीजी ऑपरेशन संजय आनंद राव लाटकर, आईजी ऑपरेशन अमोल वेणुकांत होमकर, एसपी एटीएस सुरेंद्र झा सहित अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने डीजीपी अजय कुमार सिंह को साफ लहजे में कहा कि आपको अपराध पर नियंत्रण के लिए भरे द्वारा खुली छूट दी हुई है परंतु अपराध नियंत्रण पर सफलता क्यों नहीं मिल रहा है? मौके पर मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग के वरीय अधिकारियों से वर्तमान समय में राज्य के भीतर हो रही अपराधिक घटनाओं एवं अपराध नियंत्रण हेतु कानून व्यवस्था की



स्थिति की पूरी जानकारी ली और अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में राज्य के अंदर अपराध के चेहरे हर दिन बदल रहे हैं। नए-नए अपराध को अंजाम

दिया जा रहा है। कई अपराध सुनियोजित तरीके से किए जा रहे हैं। कुछ लोग राज्य सरकार की छवि को धूमिल करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। पुलिस विभाग राज्य में सुनियोजित अपराधिक गतिविधियों एवं नए-नए अपराधों पर शिकंजा क्यों नहीं कस पा रही है, इस पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई साथ ही मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को सूचना तंत्र को मजबूत करने का कड़ा निर्देश दिया।

अपराध नियंत्रण में कोताही बर्दाश्त नहीं

बैठक में मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन

ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि राज्य में विधि व्यवस्था का संधारण हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध नियंत्रण में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए, कोताही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हर हाल में अपराध पर नियंत्रण किया जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस प्रशासन के समक्ष नई-नई चुनौतियां आ रही हैं। पुलिस विभाग इन चुनौतियों से निपटने में किसी तरह की लापरवाही न बरतें, अपराधी कितना भी बड़ा क्यों न हो, अपराधियों पर किसी भी बड़े समूह का आश्रय क्यों न प्राप्त हुआ हो, पुलिस बिना किसी दबाव के कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। किसी भी हाल में राज्य में अपराध का ग्राफ ऊपर नहीं जाना चाहिए। अपराधियों का मनोबल तोड़ने का काम पुलिस विभाग अवश्य करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपकी सुझबुझ, आपकी कार्यशैली, आपका सूचना तंत्र, आपकी क्रिएटिविटी एवं सतर्कता से अपराधिक घटनाओं पर तत्काल लगाम लगाया जा सकता है।

भविष्य की चुनौतियों से निपटने का रणनीति तैयार करें

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि हो सकता है कि आने वाले समय में सुनियोजित अपराध की घटनाएं बढ़ेंगी, आपके सामने कई चुनौतियां भी आ सकती हैं, वर्तमान चुनौतियों से निपटने के साथ-साथ भविष्य की चुनौतियों से निपटने की रणनीति भी पुलिस विभाग तैयार करें।

मौके पर राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग अविनाश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव 9 व 10 अगस्त को, रणनीति तैयार

जनजातीय कला संस्कृति को संरक्षित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : हेमंत

नव प्रदेश संवाददाता

रांची : झारखंड के समृद्ध जनजातीय जीवन दर्शन की खूबसूरती को देश- दुनिया में अलग पहचान दिलाने के लिए पिछले वर्ष विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पहली बार झारखंड आदिवासी महोत्सव का आयोजन हुआ था। इसी कड़ी में इस वर्ष झारखंड आदिवासी महोत्सव को और भी वृहत स्तर पर भव्य तरीके से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को राजधानी रांची में 9- 10 अगस्त 2023 को आयोजित होने वाले दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव को तैयारियों के सिलसिले में अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि इस महोत्सव का आयोजन इस तरह होना चाहिए कि इसके माध्यम से यहां के जनजातीय कला- संस्कृति, रहन- सहन, खानपान, पहनावा और भाषा को विश्व पटल में पहचान मिल सके।

राज्य का डॉक्यूमेंटेशन होना चाहिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड आदिवासी महोत्सव में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्टेट के डॉक्यूमेंटेशन की भी व्यवस्था होनी चाहिए। इसमें यहां के जनजाति समुदायों के इतिहास से लेकर अब तक हुए बदलाव का प्रेजेंटेशन होना चाहिए।



आदिवासी महोत्सव को लेकर राज्य के बाहर भी प्रचार- प्रसार

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड आदिवासी महोत्सव सिर्फ एक आयोजन नहीं है। यह हमारी समृद्ध आदिवासी संस्कृति की पहचान है। इस पहचान को राज्य के बाहर भी पहचान मिलनी चाहिए। इसके लिए राजधानी रांची समेत राज्य के अन्य जिलों के साथ देश के बड़े शहरों में एक्स्पोज़, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक जगहों पर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। इसके लिए जगह-जगह पर सेल्फी प्वाइंट बनाया जाए। सेल्फी प्वाइंट में झारखंड की आदिवासी संस्कृति की झलक दिखनी चाहिए

महोत्सव के माध्यम से सरकार की योजनाओं की दी जाए जानकारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी रांची में झारखंड आदिवासी महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम होगा। वहीं, सभी जिलों में भी आदिवासी महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में सरकार

होंगे ये कार्यक्रम

- झारखंड आदिवासी महोत्सव में सभी कार्यक्रम इन तीन श्रेणियों में आयोजित किए जाएंगे-
- ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट के द्वारा सेमिनार, पैनल डिस्कशन, ट्राइबल फिल्म फेस्टिवल, ट्राइबल फूड्स फेस्टिवल और पेंटिंग एग्जीबिशन का आयोजन किया जाएगा। इसमें देशभर के ख्याति प्राप्त आदिवासी साहित्यकार विशेषज्ञ इतिहासकार आदि शामिल होंगे।
 - कल्चरल प्रोग्राम के तहत गीत, नृत्य, इंस्ट्रुमेंटल परफॉर्मेंस, नेशनल और इंटरनेशनल बैंड के कार्यक्रम होंगे। इन कार्यक्रमों में विभिन्न राज्यों के जनजातीय कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा यूथ आईकॉन भी आमंत्रित किए जाएंगे।
 - इस महोत्सव में हॉकी, फुटबॉल, एथलेटिक और तीरंदाजी की प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार राशि देकर पुरस्कृत किया जाएगा।
 - महोत्सव में ट्राइबल सैलिब्रिटीज भी आमंत्रित किए जाएंगे। इनमें फेमिना मिस इंडिया रिया तिकी, वीन ऑफ इंटरनेशनल टूरिज्म एंजल मेरिना तिकी, अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर मेरीकॉम, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिकी और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज कोमालिका बारी को आमंत्रित किया जाएगा।

द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को देने की भी व्यवस्था होनी चाहिए।

छत्तीसगढ़. मंत्री रवीन्द्र चौबे ने कहा-अविश्वास प्रस्ताव खोखला, भाजपा को किसानों पर बोलने का हक नहीं

विपक्ष के 109 आरोपों का सत्तापक्ष ने दिया सटीक जवाब

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा 2023 के पावस सत्र के अंतिम दिवस में बीजेपी ने अविश्वास प्रस्ताव लाया। अविश्वास प्रस्ताव चर्चा की शुरुआत बीजेपी के वरिष्ठ विधायक बुजमोहन अग्रवाल ने की। बीजेपी ने सदन पर कांग्रेस की भूषेश सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है। बीजेपी ने प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार और विवादग्रस्त निर्णय लेने पर गंभीर आरोप लगाए। किसान, रेत खनन, कोयला और शराब घोटाला, निवस्त्र युवकों के प्रदर्शन समेत जंगलों की कटाई और कांग्रेस के विधायक, मंत्रियों को भी घेरने की कोशिश की। जवाब में कांग्रेस की ओर से विपक्ष को जवाब देने की शुरुआत वरिष्ठ मंत्री रविंद्र चौबे ने



बिंदुवार जवाब देकर किया। उन्होंने कहा अविश्वास प्रस्ताव खोखला है। भाजपा को किसानों के बारे में बोलने का अधिकार नहीं।

धान खरीदी पर हुई नोक-झोंक

भाजपा ने अविश्वास प्रस्ताव में धान घोटाले, पनामा घोटाले से लेकर चिटफंड घोटाले का आरोप

सरकार पर लगाया था। इसी को लेकर आज सदन में भाजपा और कांग्रेस के बीच नोक-झोंक हो गई। भाजपा पर हमला बोलते हुए मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा कि, धान और किसान के बारे में बोलने का अधिकार आपको नहीं है। क्योंकि राजधानी रायपुर में पीएम मोदी धान खरीदने को लेकर सिर्फ झुट फैलाकर गए हैं। धान घोटाले,

पनामा, प्रिय दर्शनीय बैंक घोटाले, चिटफंड घोटाले में कौन शामिल था? किसने ऐसे लोगों को संरक्षण दिया और कौन आरोपी हैं...इस बात को सपष्ट करें, सिर्फ आरोप लगाने से कुछ नहीं हो जाता।

घोटालों के उल्लेख पर हंगामा

रतनजोत घोटाले के मुद्दे पर जांच को लेकर सदन में कांग्रेस और भाजपा ने एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए दिखाई दिए। घोटालों के आरोप पर भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि, सरकार को जांच करने से रोका किसने है। इनके आरोपों में कोई तथ्यात्मक बात नहीं है। हमने जो वादा किया उसे निभाया है। कांग्रेस घोषणा पत्र में किए हुए वादे भूल जाती है, लेकिन हम नहीं भूलते।

सीएम भूपेश ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान-सम्मान



औपचारिकता पूरी की गई है, यह आरोप पत्र असत्य का पुर्ल्ला है।

सत्ता को संगठन पर भरोसा नहीं : बृजमोहन

विधानसभा में पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने सरकार को घेरा, कहा - गुंगी बहरी सरकार को सुनाने के लिए अंग्रेजों के शासन काल में नौजवानों ने धामका किया था। आज छत्तीसगढ़ में काले अंग्रेजों का शासन है उन्हें जमाने के लिए प्रदेश के नौजवानों ने नग्न प्रदर्शन किया है। लेकिन वह सरकार अंग्रेजी से भी बदतर है जो उन नौजवानों के खिलाफ अपराध दर्ज कर रहे है। यह अंतर्द्वंद की सरकार मुख्यमंत्री को मंत्री पर भरोसा नहीं है। मंत्री को मुख्यमंत्री पर भरोसा नहीं सत्ता को संगठन पर भरोसा नहीं। सब एक दूसरे को अपमानित करने में लगे हैं।



तालाब की ओर जाती दिखी थीं। तालाब में गोताखोरों ने तलाश शुरू की तो देर रात चारों बच्चियों के शव बरामद कर लिए गए। मृत बच्चियों की उम्र 8 से 10 साल के बीच है। इनमें आराधना कुमारी, अर्चना कुमारी, सलमी कुमारी और छाया खाखा शामिल हैं। ये सभी सरजा गांव स्थित नीलांबर-पीतांबर स्कूल में एल्केजी की छात्रा थीं।

एक महीने में अलग-अलग घटनाओं में 14 बच्चों की मौत

उधर बच्चियों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। रामगढ़ थाना



प्रभारी प्रभात रंजन राय ने बताया कि बच्चियों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पलामू स्थित मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेजा गया है। झारखंड में बारिश के मौसम में बच्चों के तालाब-जलाशयों में डूबने की घटनाएं बढ़ गई हैं। एक महीने के अंदर इस तरह के अलग-अलग हादसों में 14 बच्चों की जान जा चुकी है।

नव प्रदेश संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखंड के पलामू जिला अंतर्गत रामगढ़ थाना क्षेत्र के सरजा गांव में तालाब में डूबने से चार बच्चियों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे से गांव में कोहराम मचा है। लड़कियां उलटंडा गांव की रहने वाली हैं। मरने वाली बच्चियों की उम्र 5 से 9 वर्ष के बीच की है। ये बच्चियां नीलांबर-पीतांबर स्कूल में एल्जेजी में पढ़ती थीं। मृतकों में 8 वर्षीय आराधना कुमारी, 5 वर्षीय छाया खाखा, 6 वर्षीय सलमी कुमारी और 7 वर्षीय अर्चना कुमारी शामिल है।

स्कूल से नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की

वे गुरुवार को पास के सरजा गांव स्थित स्कूल गई थीं। देर शाम तक नहीं लौटीं तो परिजनों ने तलाश शुरू की। पता चला कि लड़कियां

संसद में हंगामा, लोकसभा 19 मिनट में ही 24 तक स्थगित



करने की मांग रखी। गुरुवार को मानसून सेशन के पहले दिन भी संसद के दोनों सदन में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में ईडी की रेड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फि र से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने धावा बोला है। इस बार उनके निशाने पर सरकारी महकमे के बड़े अधिकारी और कारोबारी हैं। ईडी की टीम ने रायपुर, कोरबा, रायगढ़ और बिलासपुर में छापेमारी की है। जानकारी के मुताबिक, रायपुर के देवेन्द्र नगर स्थित ऑफिसर कॉलोनी में आईएसएस रातु साहू के घर टीम कार्रवाई कर रही है। वहीं राजधानी में रायगढ़ के रामदास अग्रवाल के जोगा स्थित अनुपम नगर के घर में भी टीम दस्तावेजों को खंगाल रही है। रामदास अग्रवाल कोल और इस्पात कारोबार से जुड़े हुए हैं। पिछले दिनों आईटी की रेड भी पड़ी थी। रायपुर और रायगढ़ में इनका कारोबार है। इसके अलावा कोरबा में निगम कमिश्नर प्रभाकर पांडेय के घर पर सुबह पांच बजे से पांच सदस्यीय टीम खननबीन कर रही है। ईडी की टीम के साथ सीआरपीएफ के जवान भी आए हुए हैं जो घर के अंदर और बाहर तैनात हैं।

मणिपुर घटना के खिलाफ माले ने प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया

अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार करें व मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इस्तीफा का किया मांग

नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया। मणिपुर में नफरती भीड़ द्वारा दो कुकी महिलाओं पर चीन उत्पीड़न की भयावह व पूरे देश को शर्मसार करने वाली घटना के खिलाफ भाकपा-माले और उससे जुड़े जनसंगठनों आइसा, इनौस ने राष्ट्रव्यापी प्रतिरोध दिवस के तहत बेतिया समाहरणालय गेट पर प्रतिरोध सभा किया और पूरी घटना के जिम्मेदार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। भाकपा-माले नेता सुगिल कुमार राव ने कहा कि यह घटना 4 मई की बताई जा रही है. कांगपोकपी जिले में जब महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों



के साथ पास के इलाके में गांवों को जलाने वाली भीड़ से बचने की कोशिश कर रही थीं, इस भयावह घटना को अंजाम दिया गया। भीड़ ने महिलाओं के कपड़े उतारकर

उन्हें नंगा घुमाया और उनका चीन उत्पीड़न किया. उन्हें नग्न परेड पर मजबूर किया गया. नफरती भीड़ ने बदले की कार्रवाई के तहत महिलाओं के साथ सामूहिक

बलात्कार किया. रिपोर्टें हमें यह भी बताती हैं कि बलात्कार पीड़िताओं के परिवार के पुरुष सदस्यों की भीड़ ने हत्या कर दी। आगे कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा जहां अपनी डबल इंजन की सरकार चलाती है। वहां दोगे बलात्कार और हत्याएं शासन के तरीके बन जाते हैं. उत्तर-पूर्व में सांप्रदायिक व जातीय तनाव भड़कना भाजपा शासन का एक और लक्षण है। भाकपा-माले नेता रविन्द्र कुमार रवि ने मांग किया कि अपराधियों की तुरंत पहचान कर उनकी गिरफ्तारी हो अज्ञात भीड़ के नाम पर उन्हें बचाने की हर कोशिश का पदांश

होना चाहिए। साथ ही, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस्तीफा दें। इनौस जिला अध्यक्ष फरहान राजा ने कहा कि इस पूरी घटना को सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में नारीवादियों और वकीलों की एक टीम तत्काल मणिपुर भेजी जाए। यह टीम मामले की संपूर्णता में जांच करे। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाइयों पर भी गौर करे. भाकपा माले नेता सुरेंद्र चौधरी, विनोद कुशवाहा, मुजम्मिल मियां, हारून गद्दी, प्रकाश मांझी, सुखई राम, रविन्द्र राम, इनौस नेता अफाक अहमद आदि नेताओं ने भी सभा को सम्बोधित

करते हुए कहा कि भाजपा नफरत की राजनीति कर रही है इसी नफरत की राजनीति का नतीजा है मणिपुर की घटना, लोगों ने कहा कि मणिपुर में भाजपा की ही सरकार है तब भी दो महिने से ज्यादा समय से मणिपुर जल रहा है सैकड़ों लोग जान गंवा चुके हैं, हजारों लोग जान बचाकर भाग दूसरे प्रांतों में या टेम्पों में शरण लिए हुए हैं, और मोदी इधर उधर घूम रहे हैं, मणिपुर जाने की बात तो दूर कुछ बोल नहीं रहें थे अब जब सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी किया है तब जाकर कुछ बोल रहे हैं तभी इधर उधर की बात करते हुए देखा है।

एफिलिएटेड कॉलेजों में कई सालों से नहीं बंटा है अनुदान, जिम्मेवार लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं

नवप्रदेश प्रतिनिधि आरा। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक द्वारा शिक्षा में सुधार के लिए आदेश पर आदेश जारी किए जा रहे हैं और इसका सकारात्मक परिणाम भी सामने आने लगा है। अंगीभूत कॉलेजों और सम्बद्धताप्राप्त अनुदानित डिग्री कॉलेजों में शिक्षकों की उपस्थिति ससमय विवि के माध्यम से शिक्षा विभाग को भेजी जा रही है। बावजूद इसके शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय के कुलपतियों से इस बात की जानकारी अभी तक नहीं मांगी है कि सम्बद्धताप्राप्त अनुदानित डिग्री कॉलेजों में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के राज्य सरकार के भेजे गए पैसे का भुगतान हुआ या नहीं। अनुदान का भुगतान हुआ तो कब तक का अनुदान बांटा गया। अगर कई सालों से शिक्षक एवं कर्मचारियों का अनुदान आज तक नहीं बंटा तो क्यों नहीं बंटा और उसका जिम्मेवार कौन है।उस पर क्या कार्रवाई होगी। वीर कुंवर सिंह विवि के कई ऐसे अनुदानित सम्बद्ध डिग्री कॉलेज हैं जहां वर्षों से सरकार की भेजी गई राशि नहीं विवरित की जा सकी है।कॉलेजों में विवाद के नाम पर विवि अनुदान राशि को रोक कर ब्याज की बड़ी राशि हड़पने की साजिश रच रहा है। विवि अनुदान के पैसे का सूद



कमाने के चक्कर में कॉलेजो का विवाद खत्म कराकर अनुदान भेजने और शिक्षकों एवं कर्मियों के बीच अनुदान राशि बंटवाने में इसीलिए दिलचस्पी नही ले रहा है। विवि सम्बद्ध डिग्री कॉलेजो में अनुदान बंटवाने के लिए कभी सक्रिय ही नही रहा।स्थिति यह है कि इस विवि के कई कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2008-11 से लेकर आज तक का अनुदान बकया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक को वीर कुंवर सिंह विवि समेत राज्य के सभी विवि में राज्य सरकार के भेजे गए अनुदान की राशि को शिक्षक कर्मचारियों के बीच बंटवाने की प्रक्रिया को अपडेट करना चाहिए। अंगीभूत कॉलेजों और वित्त अनुदानित सम्बद्ध डिग्री कॉलेजों में शिक्षकों और कर्मियों के वेतन भुगतान में काफी अंतर है। अंगीभूत कॉलेजों में जहां शिक्षक कर्मचारियों को प्रति

महीने सरकारी वेतन मिलता है जबकि सम्बद्ध डिग्री कॉलेजों में आंतरिक स्रोत से प्रति महीने शिक्षकों और कर्मचारियों को वेतन दिए जाते है। यह वेतन महज सिर्फ कौनके लिए है और एक मनेरगा के मजदूर के तीस दिन के पारिश्रमिक से भी काफी कम है। अपर मुख्य सचिव को इस दिशा में भी दोष कार्रवाई करनी चाहिए कि सम्बद्ध डिग्री कॉलेजों में आंतरिक स्रोत की राशि को कैसे बढ़ाया जाए और शिक्षको एवं कर्मियों को आंतरिक स्रोत से प्रति माह सम्मानजनक वेतन कैसे दिया जाय।सरकार की भेजी जाने वाली अनुदान की राशि का वितरण समय पर कैसे विवरित किया जाऐ।इस राशि के वितरण में देर होने पर किसकी जवाबदेही तय की जाय ताकि समय पर अनुदान वितरण नही कराने वाले जिम्मेवार लोगों पर कार्रवाई की जा सके। अंगीभूत कॉलेजो की तरह कार्य करते हैं सम्बद्धताप्राप्त डिग्री कॉलेजों के शिक्षक-वीर कुंवर सिंह विवि के सम्बद्धताप्राप्त डिग्री कॉलेजों के शिक्षक अंगीभूत कॉलेजों के शिक्षकों से भी अधिक कार्य करते हैं। सम्बद्ध डिग्री कॉलेजों में नामांकन के बाद नामांकन सत्यापन का कार्य शिक्षक करते हैं।छात्र छात्राओं की पढ़ाई कराने का कार्य शिक्षक करते हैं।

फाइलेरिया मुक्त रोहतास बनाने का ले संकल्प: डीएम

नवप्रदेश प्रतिनिधि सासाराम। 2027 तक देश से फाइलेरिया (हाथीपाँव) उन्मूलन को लेकर 10 अगस्त से शुरू हो रहे सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान को सफल बनाने के लिए विशेष रणनीति बनाई जा रही है। इस बार इस अभियान में सभी विभागों से सहयोग लेकर अभियान को सफल बनाया जाएगा। अभियान को सफल बनाने एवं अभियान का हिस्सा बनने के लिए रोहतास जिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने सभी विभागों के पत्र जारी करते हुए सभी विभाग के अधिकारियों को इस अभियान में जुड़ने एवं सहयोग के लिए अपील किया है। जिलाधिकारी की ओर से जारी पत्र में पंचायती राज विभाग, समाज कल्याण विभाग, अनुसूचित जाति एवं

जनजाति कल्याण विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, शहरी विकास और आवास विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, कृषि विभाग, जीविका, आईसीडीएस विभाग, शिक्षा विभाग, नगर आयुक्त सहित सभी विभागों को पत्र जारी करते हुए एमडीए अभियान को सफल बनाने के लिए कहे गए है।

जन जागरूकता कार्यक्रम करने के लिए दिशा निर्देश

जिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने पत्र के माध्यम से सभी विभागों को निर्देश दिया है कि अभियान को सफल बनाने के किये सभी का सहयोग जरूरी है। उन्होंने सभी विभाग के अधिकारियों से रोहतास



को फाइलेरिया मुक्त जिला बनाने के लिए हम सब को संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने पत्र के माध्यम से मुखिया, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, सीडीपीओ, जीविका, राशन डीलर, विकास मित्र सहित अन्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों को अपने अपने क्षेत्र से जुड़े लोगों को जागरूक कर एमडीए अभियाम के तहत दवा खाने के लिए प्रेरित करना है।

एक ही प्लॉट पर मत्स्य विभाग के अलग-अलग 5 योजना की स्वीकृति, मामला का खुलासा

नवप्रदेश प्रतिनिधि बिक्रमगंज। काराकाट प्रखंड के इटावा गांव में मत्स्य विभाग द्वारा हैचरी निर्माण को लेकर मिलने वाले अनुदान की राशि का दुरुपयोग का मामला प्रकाश में आया है। एक ही प्लॉट पर मत्स्य विभाग के अलग-अलग 5 योजना कि स्वीकृति का मामला जब सामने आया तो मत्स्य विभाग के अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची तथा छानबीन शुरू कर दी है। बताया जाता है कि जब पहले से एक ही जमीन पर चल रहे मत्स्य पालन के 4 योजनाओं के बाद जब प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत लगभग साढ़े छः करोड़ रुपए की राशि की योजना का कार्य आदेश निर्गत हो गया, तो स्थानीय लोगों ने इस की शिकायत की। शिकायत के बाद मत्स्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि मुख्यमंत्री मत्स्य तालाब निर्माण योजना के तहत 7 लाख 87 हजार, मुख्यमंत्री मत्स्य हैचरी निर्माण योजना के तहत 11 लाख रुपये, मुख्यमंत्री मत्स्य बायोफ्लो योजना के अंतर्गत 6 लाख 37 हजार, मुख्यमंत्री मत्स्य सह पूर्णा पालन योजना के अंतर्गत 3 लाख 21 हजार की राशि का भुगतान हो चुका है। जबकि आरोप है कि उसी जमीन पर प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत भी 6 करोड़ से अधिक की राशि का आवंटन होना था। इसकी शिकायत के बाद जिला मत्स्य पदाधिकारी इकबाल अंसारी मौके पर पहुंची तथा छानबीन शुरू कर दी। जमीन को माफी करवाई जा रही है।

भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ, रेलवे सुरक्षा बल ने एक को किया गिरफ्तार

नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन के प्रभारी निरीक्षक राम विलास राम के नेतृत्व में डेहरी ऑन सोन पोस्ट के सहायक उप निरीक्षक राजेंद्र कुमार दास, प्रधान आरक्षी अनिल कुमार सिंह,आरक्षी अनिल प्रसाद एवं अपराध नियंत्रण के लिए मंडल स्तर पर अपराध नियंत्रण के लिए गठित विशेष टीम के उप निरीक्षक कुमार गौरव, आरक्षी सर्वोदय पासवान, राण रंधीर सिंह, प्रधान आरक्षी संतोष प्रसाद, आरक्षी राकेश कुमार सिंह के अपराधिक गतिविधि निगरानी के दौरान राजू प्रसाद,पुत्र-राम नारायण चंद्रवंशी, निवासी-मोहम्मद गंज मोहसिन नगर वार्ड नंबर 3, थाना-मोहम्मदगंज, जिला-प्रताप को डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन पर 19 लीटर 375 मिली लीटर अंग्रेजी शराब ब्लैन्डर्स प्राइड, रॉयल स्टेग, इंपिरियल ब्लू के अलावे अन्य कई प्रकार के अंग्रेजी शराबके साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह इस शराब को डेहरी में बेचने के लिए सिंगरीली एक्सप्रेस से झारखंड से लेकर आ रहा था किंतु स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा पकड़ लिया गया उसके पास से पकड़ा है अंग्रेजी शराब के कुल कीमत 19,450 है। विधिक कार्यवाही के उपरांत गिरफ्तार व्यक्ति एवं जन्त अवैध अंग्रेजी शराब को रेलवे सुरक्षा बल द्वारा अग्रिम कार्रवाई हेतु राजकीय रेल थाना डेहरी ऑन सोन को सुपुर्द कर दिया गया।



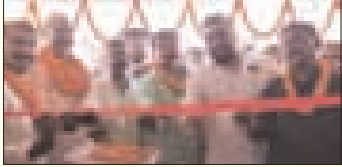
एक नजर

बक्सर राजवाहा से 35 वर्षीय युवक का शव बरामद

नवप्रदेश प्रतिनिधि सङ्गौली। थाना क्षेत्र के तेंदुआ गांव के समीप, बक्सर राजवाहा से स्थानीय पुलिस ने गुरुवार की रात लगभग 10:00 बजे एक युवक का शव, ग्रामीणों की सूचना पर बरामद किया। थाना अध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि राजवाहा में शव होने की सूचना मिलते ही पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए। राजवाहा से शव निकालकर, पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम भेज दिया। थाना अध्यक्ष की माने तो सासाराम मुफर्रिसल थाने में करूप गांव की निवासी मुजलिम अंसारी के पत्नी, 20 जुलाई को अपने पति को गायब होने को लेकर मामला दर्ज कराई थी. जिसका शव गुरुवार 20 जुलाई को ही रात लगभग 10:00 बजे बक्सर राजवाहा से ग्रामीणों को सूचना पर बरामद किया गया।

पूर्व विधायक ने किया जीवन दीप अस्पताल का उद्घाटन

नवप्रदेश बिक्रमगंज। शहर के सासाराम रोड में महावीर मंदिर के समीप जीवन दीप अस्पताल की स्थापना की गई। जिसका उद्घाटन पूर्व विधायक



संजय यादव, जिला पार्षद उमेश सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। उद्घाटन के मौके पर विधायक ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण इलाके में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल और विशेषज्ञ चिकित्सक के अभाव में लोगों को बड़े शहरों में जाना पड़ता है। जहां लोगों का जमकर आर्थिक और मानसिक शोषण किया जाता है। यह अस्पताल इस तरह के शोषण से लोगों को बचाएगा। जिला पार्षद उमेश सिंह ने अस्पताल के व्यवस्थापक की सहनाह करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में यह अस्पताल लोगों के लिए बरदान साबित हो सकता है। अस्पताल के व्यवस्थापक विनोद सिंह ने बताया कि अस्पताल में 24 घंटा सेवा उपलब्ध रहेगी। सभी तरह विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध रहेंग। सभी तरह के पैथोलोजी जांच की सुविधा के साथ ही ईसीजी की भी व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि यहां प्रसव की सुविधा उपलब्ध है।

ताजिया जुलुश के दौरान, डीजे बजाने पर रहेगी पूर्ण पावंदी

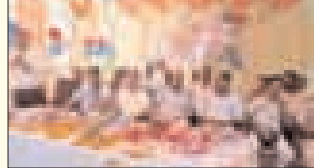
नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुरा। थाना परिसर मे शुक्रवार को मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। अंचलाधिकारी सह आरओ दिव्य प्रकाश की अध्यक्षता मे हुई बैठक मे त्योहार



को शांतिपूर्ण माहौल मे संपन्न कराये जाने की अपील की गई। इससे पूर्व सभी कमिटीयो से जुलुश के लिए लाईसेंस का आवेदन प्राप्त किया गया। इसके अलावा सभी गाँवों जहाँ ताजिया का जुलुश निकलता है वहा के ताजियादरो का नाम पता नोटिस किया गया। उस दौरान अंचलाधिकारी ने जुलुश का रूट चार्ट, जुलुश निकालने की समयावाधि, सहित कई विन्दुओ का निर्धारण किया गया।जुलुश मे खेल दिखाने के समय अवैध ध्वजों का प्रयोग अथवा घातक शस्त्रों का प्रयोग पर पावंदी होने की बात बताते हुए डीजे पर भी पूरी तरह से रोक रहने का निर्देश दिया।उन्होंने बताया कि जुलुश के दौरान सभी कमिटीयो मे वीडियो ग्राफी कराये जाने का निर्देश दिया। इस मौके पर थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी,अपर थानाध्यक्ष विजेंद्र राम, बिक्रमगंज बिहार न्यायालय के अधिवक्ता अली खान,विधि प्रतिकार सेवा के अंजनी सिंह, उमाकांत सिंह, मुखिया प्रमोद कुमार चंद्रवंशी, सरपंच शिव यश पास,पूर्व मुखिया सीताराम सिंह हीरालाल सिंह, विजय गुप्ता, सुनिल गुप्ता,डॉ एस आरलम, जावेद अख्तर, अशोक सिंह, अभय लाल,ताजियादार,अरमान अंसारी, जहाँगीर सिद्दीकी, फिरोज अंसारी, मुहम्मद आलम, निजामुद्दीन, काशिम मिश्रा,अख्तर मिश्रा किे अलावा बारून, सूर्यपुरा, अंधार, अगंर खुर्द, नोनहर, बलिहार, बहुआरा आदि गाँवों के दर्जनों खलीफा मौजूद थे।

अंचलाधिकारी सूर्यपुरा का प्रभार आरओ दिव्य प्रकाश ने लिया

नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुरा।



अंचलाधिकारी सूर्यपुरा का प्रभार आरओ दिव्य प्रकाश ने शुक्रवार को अंचलाधिकारी अनिल प्रसाद सिंह से लिया। दूसरी तरफ समेकित बाल विकास परियोजना कार्यालय का प्रभार चेनारी सीडीपीओ ने लिया। जानकारी के अनुसार अंचलाधिकारी सह प्रभारी सीडीपीओ अनिल प्रसाद सिंह का तबादला बक्सर जिला के इटाही में हुआ है। जिसको लेकर चेनारी सीडीपीओ नेहा कुमारी ने सीओ सह प्रभारी सीडीपीओ अनिल प्रसाद सिंह से प्रभार लिया। प्रभार के बाद सीडीपीओ ने कर्मियों व उपस्थित सेविकाओं से कहा कि समय पर कार्यों का निषादन होना चाहिए और कोई शिकायत क्षेत्र से न आवे।

पुलिस ने भेजा पोस्टमार्टम को, परिजन 18 घंटे कराते रहे झाड़-फूंक

नवप्रदेश प्रतिनिधि करगहर रोहतास। थाना अतर्गत तिलकापुर गांव में एक किशोर को सांप के डसने हुई मौत के बाद जब पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने भेजा तो परिजन झाड़ू-फूंक के लिए बेलहर गांव पहुंचे जहा अठाह घण्टे। ओझा ने मृत सांप और पच्चीस लीटर दुध मंगाया फिर 18 घंटे तक झाड़ू-फूंक करने के बाद भी किशोर जिंदा नहीं हो सका। घटना के संबंध में बताया जाता है कि बुधवार को तिलकापुर निवासी मुनीम पासवान का 15 वर्षीय पुत्र को सांप काटने के बाद परिजन झाड़ू-फूंक के लिए यूपी के अमवा के सती माई स्थान पर ले गए। जब किशोर की स्थिति खराब हो गई तो वे बक्सर स्थित प्रताप सागर में भर्ती कराया लेकिन चिकित्सकों ने जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया। तब परिजन शव को लेकर 2 बजे दिन में गांव पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पीडीएस दुकानदार समय से आधार सीडिंग का कार्य पूरा कर लें, अन्यथा करवाई के लिए तैयार रहें: एमओ

नवप्रदेश प्रतिनिधि नासरीगंज (रोहतास)।

प्रखण्ड मुख्यालय स्थित बीआरजीएफ भवन में पीडीएस दुकानदारों के साथ एमओ नैसी कुमारी ने बैठक की। बैठक की अध्यक्षता पीडीएस संघ



के प्रखण्ड अध्यक्ष रणविजय सिंह व संचालन सचिव सुदामा पासवान ने किया। इस बैठक में आधार सीडिंग व राशन उठाव वितरण से संबंधित विशेष रूप से चर्चा किया गया। एमओ ने कहा कि प्रखण्ड में सौ प्रतिशत आधार सीडिंग करना है। जिसमें अभी तक 82 प्रतिशत आधार सीडिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने सभी दुकानदारों को 30 सितंबर तक सौ प्रतिशत आधार सीडिंग करने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने कहा कि राशन वितरण अच्छे ढंग से करना है। लापरवाही करने वाले दुकानदारों पर करवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी तक 1748 राशन कार्ड को निष्क्रिय कर दिया गया है। उन्होंने सभी दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि समय से आधार सीडिंग नही करने वालों पर करवाई की जाएगी। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित रहने वाले दुकानदारों को आगामी बैठक में उपस्थित रहने का निर्देश दिया। इस मौके पर नीरज प्रसाद, सिमरन कुमारी, चंदन कुमार सिंह, सुखराम पासवान, खुशींद आलम, प्रियंका कुमारी, विशाल कुमार, सुफिया खातुन, अजित कुमार सिंह, मोजाहिदिन एहसान, कविता कुमारी व काशीनाथ सिंह समेत कई दुकानदार मौजूद थे।

मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र योजना अंतर्गत 20 दिव्यांगजनों के बीच ट्राइसाइकिल का वितरण

नवप्रदेश प्रतिनिधि मोतिहारी। मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र योजना अंतर्गत 20 दिव्यांगजनों को बैट्री से चलने वाली ट्राइसाइकिल हेलमेट के साथ प्रदान की गई। इन लाभुकों में विभिन्न प्रखंडों के लोग शामिल हैं। इस योजना अंतर्गत पूर्वी चम्पारण जिले को 2022- 23 में 353 बैट्री चालित ट्राइसाइकिल आवंटित करने का लक्ष्य प्राप्त था। जिसे डीएम की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय स्त्रीजीन समिति ने शत प्रतिशत स्वीकृति दी। इन सभी ट्राइसाइकिल का वितरण चरणबद्ध तरीके से जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग के द्वारा किया जा रहा है। गुरुवार को सहायक निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग शिवेन्द्र कुमार एवं प्रभारी सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा सह जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी शशिभूषण तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर ट्राइसाइकिल लेने वाले लाभुकों को रवाना किया।

खाद की कालाबाजारी से करोड़ों की अवैध कमाई कर रहे, बड़े व्यापारी

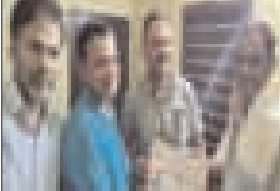
एक बरसात की कमी, ऊपर से खाद व्यापरियों की कालाबाजारी, दोहरी मार से, जिले के किसान है परेशान

नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया। पश्चिम चंपारण जिला में इस समय यूरिया का कालाबाजारी कर करोड़ों करोड़ों की अवैध कमाई कर रहे है खाद के बड़े व्यावसायी। पश्चिम चंपारण के किसान खेती के मौसम में खाद के बड़े व्यापरियों की लूट नीति का शिकार हो रहे है और अधिकारी चाह कर भी कुछ नहीं कर पाते है अगर अधिकारी कार्रवाई करना भी चाहे तो उन्हें साजिश के तहत आरोपित कर व्यापारी अपना काम करने की आजादी पाते है। अगर खुदरा दुकानदारों की बात का विश्वास करे तो जिस खाद को उन्हें 262 रुपये में बेचना है वो उन्हें 300 से 325 तक में उपलब्ध हो रहा है साथ ही बड़े

व्यापरियों द्वारा जबरदस्ती दवा और अन्य उत्पाद भी उन्हें बेचने को दिया जा रहा है जिससे मजबूरी वश हमे किसानों को मजबूरी वश 350 में बेचना पड़ता है। इस सम्बंध में जब बड़े व्यापरियों से सम्पर्क करने की कोशिश की तो मुलाकात नहीं हो सकी या ऐसा कहे वो लोग मिलना नहीं चाहे। हालाँकि कमला कृषि केंद्र के विनोद सार्गाफ से उनके निवास पर मुलाकात हुई परंतु उन्होंने इस मुद्दे पर कुछ भी आखिर सभी बर््य है चुप। इस संदर्भ में जिला कृषि पदाधिकारी से पक्ष लिया गया तो उन्होंने बताया कि ऐसा मामला संज्ञान में आ रहा है समय समय पर जांच कर कार्यवाही की जाएगी। कुछ दुकानदारों के द्वारा कालाबाजारी के जांच करने पर हमें ही झूठे आरोप लगाकर फँसाने का कार्य किया जा रहा है ताकि इनकी कालाबाजारी चलती रहे और किसानों का शोषण होता रहे हमारा काम है जिला में उचित मूल्य पर यूरिया उपलब्ध करना ताकि यूरिया का कमी ना हो सके और हम इसके लिये हर संभव प्रयास कर रहे है। उन्होंने बताया कि खाद की कमी की बड़ी वजह यह है कि किसान यूरिया का प्रयोग ज्यादा मात्रा मे कर रहे है,जबकि अगर उचित मात्रा मे प्रयोग किया जाय तो बहुत हद तक इसपर काबु पाया जा सकता है।

इसका दर्द को सभी किसानों को झेलना पर रहा है। सबसे बड़ी बात है कि जिले के किसानों को बड़े खाद व्यापारी मिलकर करोड़ों करोड़ की लूट पर आखिर सभी बर््य है चुप। इस संदर्भ में जिला कृषि पदाधिकारी से पक्ष लिया गया तो उन्होंने बताया कि ऐसा मामला संज्ञान में आ रहा है समय समय पर जांच कर कार्यवाही की जाएगी। कुछ दुकानदारों के द्वारा कालाबाजारी के जांच करने पर हमें ही झूठे आरोप लगाकर फँसाने का कार्य किया जा रहा है ताकि इनकी कालाबाजारी चलती रहे और किसानों का शोषण होता रहे हमारा काम है जिला में उचित मूल्य पर यूरिया उपलब्ध करना ताकि यूरिया का कमी ना हो सके और हम इसके लिये हर संभव प्रयास कर रहे है। उन्होंने बताया कि खाद की कमी की बड़ी वजह यह है कि किसान यूरिया का प्रयोग ज्यादा मात्रा मे कर रहे है,जबकि अगर उचित मात्रा मे प्रयोग किया जाय तो बहुत हद तक इसपर काबु पाया जा सकता है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी शिवेश कुमार को दी गयी विदाई



मणिपुर मामले में भाकपा माले ने निकाला प्रतिरोध मार्च

नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी। भाकपा माले ने मणिपुर में नफरत की भीड़ द्वारा कुक की महिलाओं पर एवं हमले के विरोध में प्रखंड कार्यालय चुनना भट्टा मोड से प्रतिरोध मार्च निकाला जो डेहरी अनुमंडल कार्यालय पर जन सभा में तब्दील हो गया.सभा को संबोधित करते हुए माननीय विधायक काराकाट अरुण सिंह ने कहा- मणिपुर की यह घटना 4 मई की बताई जा रही है.कांगपोकपी जिले में जब महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों के साथ पास के इलाके में गांवों को जलाने वाली भीड़ से बचाने की कोशिश कर रही थी,इस भयावह घटना को अंजाम दिया गया.भीड़ ने महिलाओं के कपड़े उतारकर उन्हें नंगा घुमाया और उनका चीन उत्पीड़न किया.उन्हें नग्न परेड करने पर मजबूर किया

गया.नफरती भीड़ ने बदले की कार्रवाई के तहत महिलाओं के साथ सामुहिक बलात्कार किया। भाजपा जहां अपनी 'डबल इंजन' की सरकार चलाती है, वहां



दर्रें, बलात्कार और हत्याएं शासन के तरीके बन जाते हैं.उत्तर-पूर्व में साम्प्रदायिक व जातीय तनाव भड़काना भाजपा शासन का एक और लक्षण है.एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में पूछे गए सवाल के जवाब में मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने बड़ी बेशर्मी से कहा कि - 'इसके पहले इस तरह की सैकड़ों घटनाएं हुई हैं.' साथ तो देश के प्रधानमंत्री को भी नहीं आती इस तरह के बयान के बाद भी एन बिरेन सिंह मुख्यमंत्री कैसे बना हुआ

है। ऐक्टू के जिला सचिव और भाकपा माले जिला कमेट्री के सदस्य अशोक सिंह ने कहा-अपनी जायज मांगों के सवाल पर आशा कार्यकर्ताओं द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल को जबरन समाप्त करने के दौरान एस डीएम डेहरी द्वारा आशा कर्मियों के साथ बदसलूकी किया जाना आपत्तिजनक और निंदनीय है.बिहार सरकार से मांगा करते हुए कहा कि एस डीएम डेहरी को बर्खास्त किया जाए और आशा कार्यकर्ताओं के मांगों पर सरकार सहानुभूति पूर्वक विचार करें।

मेडीपार्क हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया

नवप्रदेश प्रतिनिधि पटना। बैंक ऑफ बड़ौदा के 117 वी स्थापना दिवस के अवसर पर मेडीपार्क हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड पाटलिपुत्र पटना के सौजन्य से बोरिंग केनाल रोड स्थित अंचल कार्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। बैंक ऑफ बड़ौदा के कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लगाए गए इस निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर में कार्यरत लगभग 100 महिलाओं एवं पुरुषो ने लाभ उठाया। मेडीपार्क हॉस्पिटल के चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने ब्लड प्रेशर पल्स ब्लड शुगर वजन ईसीजी बीएमआई के अलावा महिला, पुरुष जनित रोगों की जाँच कर उचित परामर्श दिया। चिकित्सकों ने शिविर में दन्त रोग, चर्म रोग एवं आँख से सम्बंधित रोगों कि जाँच कर उचित परामर्श दी। चिकित्सकों ने बताया कि वर्तमान

परिवेश में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति कैसे जागरूक रहना चाहिए इस विषय पर विस्तार से जानकारी दी। शिविर में सलाह दी गई थी समय-समय पर लोगों को स्वास्थ्य की जांच कराना चाहिए, ताकि समय से बीमारियों का पता चल सके। डॉक्टर जनमय कुमार और महिला रोग विशेषज्ञ डॉ.ज्योत्सना कश्यप आहार विशेषज्ञ अर्चना नर्सिंग स्टाफ काजल कुमारी सोनू कुमार एवं मार्केटिंग प्रबंधक शिविर का सफल आयोजन किया गया। डॉक्टर जनमय कुमार ने कर्मचारियों को सीपीआर की भी जानकारी दी। डेरमाडेंट के दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ नैदिता कुमारी,चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ गीतराज और ए एस जी



नेत्रालय की टीम ने सहयोग किया । इस मौके पर निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर में बैंक ऑफ बड़ौदा के अंचल प्रमुख सोनाम टी भूटिया, मुख्य प्रबंधक (विपणन) विपुल मोहन वर्मा के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। अंचल प्रमुख सोनाम टी भूटिया ने मेडीपार्क हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड, पाटलिपुत्रा पटना डेरमाडेंट क्लिनिक एवं एएस जी नेत्रालय को स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन कर कार्यरत कर्मचारियों को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए धन्यवाद दिया।

संपादकीय

शर्मनाक हरकत

किया अब भी सोशलमीडिया पर निर्वन्त्र नहीं किया जाना चाहिए। मणिपुर की घटना को जिस तरह से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लाकर दाईं महीने बाद में हमें हंगामा मचाया जा रहा है, उससे सबक लेने को आधिकारिक तौर पर और लोग तैयार क्यों नहीं हैं। सोशल मीडिया को राजनीतिक प्लेटफार्म के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। लाइक और कमेंट बढ़ाने के लिए उपयोग किया जा रहा है। समाज पर इसका क्या प्रभाव पड़ रहा है, उसकी चिंता किसी को नहीं है। यह ज्याद हाथकड़ा है, जिससे तिल को ताड़ किया जाना है, सच को झूठ और झूठ को सच किया जा रहा है, ऐसे चर्च पर पूरी कहानी बुनी जा रही है, थोड़े से सच में बहुत ज्यादा झूठ मिलाकर पेश किया जा रहा है। इसके अलावा वक्त और मौके की नज़ाकत धिपंकर धुंध उछाले जा रहे हैं। यह बनावट एक को हीरो और दूसरे को बिलेन बना रहा है, यह बड़े को छोटा बनाकर बड़ा बना सकता है और छोटे को बड़ा बनाकर सुनियार में कोहराम मचा सकता है। मणिपुर में दो निर्वस्त्र महिलाओं के दो महीने पुराने वाक्ये पर सोशल मीडिया आज फैक्टव हुआ है। मणिपुर में उस अमानवीय घटना पर हो रहा हंगामा कई सवाल खड़ा करता है। वीडियो बनाने वाले ने 70-75 दिन पहले ही इसकी रिकार्डिंग की होगी। तो उस वक्त इसे क्यों नहीं वायरल किया गया। आज इसे वायरल करने का क्या मकसद है। इतने दिनों तक मामले को दबा कर क्यों रखा गया? दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जा रहा है जिसमें पुरुषों की भूकी निर्वस्त्र महिलाओं को ले जा रही है। कत्त जा रहा है दोनों महिलाएं फुकी समुदाय की हैं और उनके साथ हैवानियत करने वाले पुरुष मैतेयी समुदाय से हैं। वीडियो की सच्चाई पर कोई सवाल नहीं है, लेकिन घटना मई महीने का बताया जा रहा है। फिर सवाल उठता है कि क्या 70-75 दिन के बाद अचानक यह वीडियो दिक्कत पर कैसे गुरेने लगा? इसका यह महज संयोग है या सोचा-समझा प्रयोग? सचको पता है कि गुरानर से संसद का मॉनसून सत्र शुरू हो रहा है और दिक्कत पर मणिपुर के इस दर्दनाक वीडियोवाक्ये को लेकर ट्रेंडिंग शुरू हुई बुधवार से। यानी संसद सत्र शुरू होने के ठीक एक दिन पहले। तो यह रही दाय्रगिमी की शानदार। तो क्या इसे वक्त और मौके का निरनजकत देखकर मुद्दा उछालने के एक साधन के रूप में देखा जा सकता है? जबवा आज खुद सोनिया। यह सच है कि सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में परोसे जा रहे मेटैरियल की जांच परख का कोई प्लेटफार्म नहीं है। जो जो जो भी जब चाहें, जो भी चाहें, ट्विटर, फेसबुक, व्हाट्सएप आदि के माध्यम से से परोस दे रहा है। चिनौनी घटनाएँ भी परोसी जा रही हैं, यह भी बिना पछे के। सबसे ताज्जुब की बात यह है कि सोशल मीडिया पर मामले आने के बाद देश के तंत्र से जुड़े सम्मानजनक पदों पर बैठे लोग भी एक्शन में आते हैं, घटना की जांच करते हैं, लेकिन इसकी जांच कोई नहीं करता कि उस तरह की घटनाओं को इतने दिन दबाया क्यों गया और फिर अचानक इससे सम्मान लाया क्यों गया? समाज पर पड़ रहे इसके असर की भी जांच होनी चाहिए। शर्मनक सिर्फ वह घटना नहीं, सोशल मीडिया का यह रूप भी है।

सामयिकी

अपनी जड़ों की ओर लौटने की चाह

मृत्युंजय राय

वह इतना कानपुर के पास के गांव से किसी पारिचय की फैक्ट्री में कोइ धरा बरस पहले नौकरी करने दिल्ली आया था। रहने का इंतजाम फैक्ट्री वाले ने ही करवा रखा था, इसलिए वह खर्च बच जाता था, लेकिन शहर आकर नौकरी करने से जिंदगी बदलने का सपना इस दौरान सपना ही रहा। नौकरी शुरू की थी, तब कोई 7 हजार रुपये मिलते थे और इन पांच बरस में पगार बमुश्किल 2 हजार रुपये ही बढ़ी थी। इतने पैसों में वह क्या खाता और क्या बचाता। घर वालों का असर थी कि दिल्ली में नौकर करने जा रहा है तो कुछ हमारी मदद भी करेगा, लेकिन वह चाहकर भी ऐसा नहीं कर पा रहा था। इसलिए फैक्ट्री की जैद से आजाद होकर कुछ और करना चाहता था। कोई अपना काम, जिससे फैक्ट्री ऐसी राह पकड़े जहां से कुछ पैसे बचाने का जुगाड़ हो। कानपुर के उसी गांव का एक दोस्त उससे कुछ साल पहले इसी शहर में आया था, लेकिन उसने किसी फैक्ट्री में मजदूरी करने के बजाय अपना काम करने की सोची और छोटी सी पूंजी से गोलगप्पे की रेहड़ी लगायी। उसी दोस्त ने फैक्ट्री में काम करने वाले साथी को उस कैद से आजाद करवाया। उसने दोस्त को उधार दिया और दोस्त ने गधारे के उन पैसों से कार खरीदी और कैब एग्जीगेटर कंपनी में लग गया। शाम के वक्त एक दिन उसने उसकी कैब में बैठो तो बातों का सिलसिला निकल पड़ा। उसकी आवाज में एक तेजी थी, कहीं पहुँचने का सपना था, जहां वह आराम से जिंदगी गुजारता। पहले उसने कानपुर से दिल्ली आने का सिलसिला बयां किया, फिर बताया कि अपनी कैब चलाते से उसकी आमदनी पहले से कोई चार-पांच गुना बढ़ गई है। घर वालों की उम्मीद भी पूरी कर रहा है और दोस्त का उधार भी चुका रहा है। बचपन के दो और करीबी दोस्तों के इसी शहर में काम करने की बात भी उसने कही। उसने बताया कि उसे कोई बुरी लत नहीं है। उसका और दोस्तों का ध्यान और भी सिर्फ पैसा कमाने पर है- हाँ, अभी हम जवान हैं। अभी काम नहीं करेगे तो कब करेगे? हमारे पास 50 साल का होना के बाद का भी प्लान है। हम सब दोस्त एक जगह आसपास अपना घर बनाकर रहना चाहते हैं। एक घर की छत दूसरे से लगाती हो, ऐसे घर। तब आराम करेगे। लेकिन इस शहर में नहीं, जहाँ हम पैदा हुए और जहाँ हमारा बचपन गुज़र, वहीं जाकर रहेंगे। मैंने कई लोगों में अपनी जिदों की ओर लौटने की यह चाहत देखी है। पता नहीं कितने लोग ऐसा कर पाते हैं और कितने शहर की सुख-सुविधाओं या वहीं जाने की आदत हो जाने से चाहकर भी ऐसा नहीं कर पाते। फिर हमारी यलों में बचपन का वह शहर या गांव जैसा होता है, वह भी दूसरी जगहों की तरह तेजी से बदल रहा होता है। वह वैसा नहीं होता, जैसा आप छोड़कर आए थे। फिर भी वापस लौटने की वजह समझना मुश्किल नहीं है। आखिर, अपनी जमीन-घर-गांव से कदककर क्या कोई मुकम्मल हो सकता है! काश! इन दोस्तों की वह ख्यालिशि प्यो ही और जिंदगी मुकम्मल।



डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

टमाटर के भावों में तेजी के साथ ही एक बात साफ हो गई है कि सरकार का कहीं ना कहीं बाजार निगरानी तंत्र कमजोर है। पूरे देश में टमाटर के भावों को लेकर हाहाकार मचा तब जाकर नेफेड और एनसीसीएफ की नींद खुली, नहीं तो बाजार आकलन के अनुसार पहले ही इन्हें सतर्क हो जाना चाहिए था। बाजार हस्तक्षेप पहली आवश्यकता है।

टमाटर से सबक ले मार्केट इंटरवेंशन को तैयार रहे



से अधिक सालाना उत्पादन होता है। चीन के बाद भारत टमाटर का सबसे अधिक यानी की दूसरे नंबर का प्रमुख उत्पादक प्रदेश है। मोटे अनुमान के अनुसार देश में करीब चार लाख टन टमाटर का सालाना उत्पादन होता है। यदि कुछ दिनों को छोड़ दिया जाए तो टमाटर के भावों को लेकर इतनी मारामारी नहीं रहती है। पर इस साल तो टमाटर ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं।

टमाटर दक्षिण अमेरिका के एंडीज और मैक्सिको से स्पेनिस कॉलोनीज होते हुए दुनिया के देशों में पहुंचा है। बदलते समय में कम से कम हमारे देश में छछ, केरी, अमचूर, काचरी आदि परंपरागत खटई की जगह सभी सब्जियों में टमाटर ने बना ली है। टमाटर के बिना सब्जी के खाद की कल्पना लगभग नहीं के बराबर रह गई है तो दूसरी ओर टमाटर कैचअप, प्यूरी और शॉश का अपना बड़ा बाजार विकसित हो चुका है। दरअसल औषधीय गुण के कारण भी टमाटर की मांग बढ़ी है। टमाटर में विटामिन सी, बी, के के साथ ही कोलिन आदि प्रचुर मात्रा में हैं। इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से भी टमाटर की अपनी अहमियत है। प्याज-टमाटर ऐसे हैं जो आलू आदि दूसरी सब्जियों के साथ तो काम आते ही हैं केवल और केवल टमाटर और प्याज ही ऐसे हैं जो गरीब से गरीब की थाली में लगावण का काम करता

हे तो अमीर से अमीर की रसोई भी इनके बिना अधूरी है। ऐसे में टमाटर के भाव आसमान छूने से सीधे-सीधे आम आदमी का प्रभावित होना स्वाभाविक है। अब सवाल दो टके का यह हो जाता है कि ऐसी सरकारों क्या बाध्याप्य होती हैं कि एकलोक भाव बढ़ने पर आम नागरिकों को भगवान के भरोसे छोड़कर किनारे हो जाती है। हालांकि लाख उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हो पर अभी भी देश में फसलोत्तर आधारभूत संरचनाओं की कमी बरकरार है। यही कारण है कि किसानों को मजबूरन अपने उत्पाद को सड़क के हवाले करना पड़ता है। हर हालात में फायदा होता है तो केवल और केवल बिचौलियों को होता है। पहेले कृतिम अभाव पैदा किया जाता है और फिर कोल्ड स्टोरेज से थोड़ी मात्रा में बाजार में लाया जाता है ताकि ज्यों-ज्यों भाव बढ़ते जाएं त्यो-त्यो इनका मुनाफा बढ़ता जाए और आम आदमी पिस्ता चला जाए। आखिर ऐसा क्यों होता है? यह इसलिए भी जरूरी हो जाता है कि सरकार की बाजार पर निगरानी रखने वाली टीम आखिर क्या करती रहती है। सरकार के पास बुआई से लेकर उत्पादन तक के आंकड़े रहते ही हैं, इसके साथ ही कोल्ड स्टोरेज में जमा की भी जानकारी रहती है। फिर ऐसे कौन से कारण होते हैं कि एक समय खुदरा

में दस से बीस रुपये किलो बिकने वाला टमाटर दो सौ के आंकड़े को छू जाता है। यह टमाटर ही नहीं आलू, प्याज, लहसुन आदि सभी पर लागू होता है। अब तो सरकार द्वारा बागवानी फसलों के लिए रेल भी चला दी गई है। इससे बागवानी फसलों को एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाना आसान हुआ है। पर अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना है। कोल्ड स्टोरेज की चेन बनानी होगी तो वातानुकूलित कंटेनरों की व्यवस्था भी सरकार को करनी होगी। टमाटर के भावों में तेजी के साथ ही एक बात साफ हो गई है कि सरकार का कहीं ना कहीं बाजार निगरानी तंत्र कमजोर है। पूरे देश में टमाटर के भावों को लेकर हाहाकार मचा तब जाकर नफैड और एनसीसीएफ की नींद खुली, नहीं तो बाजार अवलोकन के अनुसार पहले ही इन्हें सतर्क हो जाना चाहिए था। बाजार हस्तक्षेप पहली आवश्यकता है। उत्पादक किसान और उपभोक्ता आम आदमी दोनों के ही हितों की रक्षा करना जरूरी हो जाता है। दूसरे ऐसी परिस्थितियों में सरकार की प्रवेश मात्र से ही हालात में सुधार होने लगते हैं। साफ है सरकार के 80 रुपये किलो टमाटर उत्पादक कराने के दूसरे दिन से ही कौन सा कमल हो गया कि मंडियों में भाव नीचे आ गए। इसलिए समय रहते बाजार हस्तक्षेप जरूरी हो जाता है। अन्यथा कालाबाजारी और जमाखोरी को बढ़ावा मिलता है और उत्पादक और उपभोक्ता दोनों ही पिघले हैं। सरकार की बदनामी का कारण बनता है वह अलग। इसलिए एक प्रोविडेंट टोम होनी चाहिए जो बाजार के हालातों पर नजर रखे और अप्रत्याशित होने से पहले ही बाजार के हालातों को नियंत्रण में ले सके ताकि आम नागरिक जमाखोरों के इंटरवेंशन में न आ सके। दरअसल मार्केट इंटरवेंशन के लिए सरकार समय पर सक्रिय हो जाए तो मुनाफाखोरों और जमाखोरों को आसानी से सबक सिखाया जा सकता है वहीं आम नागरिकों की भी समय पर राहत मिल सकती है। इसके लिए मार्केट इंटरवेंशन की सख्त नीति के साथ ही बाजार की मांग के अनुसार समय पर फैसले लेने होंगे ताकि बाजार पर मुनाफाखोरों और जमाखोरों का नियंत्रण नहीं हो सके।

आ देखें जरा, किसमें कितना है दम...

बैलवुर में विपक्ष और राजधानी दिल्ली में बीजेपी नेतृत्व वाले दलों के जुटान के बाद मध्य हो गया है कि लोकसभा चुनाव 2024 का हफ्ता 2014 और 2019 से काफी अलग होगा। बीजेपी ने विपक्ष के 26 दलों के मुकाबले में 38 दलों को जुटाकर यह संदेश दिया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी राजनीति में अलग-थलग नहीं पड़ी है। दरअसल, विपक्षी पार्टियाँ आरोप लगा रही थीं कि बीजेपी के साथ कोई दल जाना नहीं चाहता। फिर आगामी लोकसभा चुनावों के लिहाज से इसे कैसे देखा जाए? क्या माना लिया जाए कि बीजेपी 2024 में भी इसी तरह विपक्षी दलों को पछाड़ देगी?

भाजपा के पक्ष में

बाजपा को पलड़ा मजबूत होने का संकेत देता है। इतनी संख्या में दलों और नेताओं के बीजेपी के साथ आना की उम्मीद किसी को नहीं थी। इसका अर्थ है कि विपक्ष की पटना बैठक के बाद से ही बीजेपी ने दलों से संयुक्त साधने और उन्हें साथ लाने की रणनीति अपना ली थी। पटना बैठक के तुरंत बाद महाराष्ट्र में एमएसपी के ज्यादातर विधायकों का शरद पवार को छोड़ बीजेपी के साथ आना विपक्षी एकजुटता की कोशिशों पर सीधा हमला था। विपक्ष की बैठक के दिन ही एनडीए की बैठक कर बीजेपी ने इसी हमले की रणनीति को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रणनीति



सधे हुए वक्तव्य बंगलुरु बैठक के बाद आये, वैसा हाल के वर्षों में नहीं सुना गया। उदाहरण के लिए कहा गया कि ऐसी समिति बनेगी, जो तय करेगी कि किस मुद्दे पर बोलना है और किस पर नहीं बोलना है। **किस पर संघर्ष करना है।**

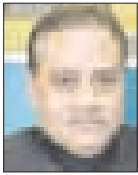
इस बार बीजेपी विरोधी राजनीति केवल उन दलों तक सीमित नहीं है, जो एकजुट होते दिख रहे हैं। इनके पीछे वे तमाम शक्तियाँ लगी हुई हैं जिसका फल केवल इस सरकार को सता से बाहर करना नहीं, बल्कि संघ परिवार और बीजेपी को निपटाना बनाया है।

गौर करने की बात है कि देश ही नहीं, दुनिया भर में यह माहौल बनाने की संगठित और प्रभावी कोशिशें हो रही हैं कि आपसी मतभेद मुलाकात पहले इस सरकार को सता से बाहर और संघ परिवार को कमजोर करे। इनमें संघ और बीजेपी के सनातन विरोधी मुखिलम संभूतन, एनजीओ, एक्टिविस्ट, बुद्धिजीवी, पूर्व नौकरशाह ही नहीं ऐसे व्यक्तित्व भी दिख रहे हैं, जो वैचारिक मतभेद के प्रकटीकरण में भी उदार, सहिष्णु और लोकतांत्रिक व्यवहार के हियामती रहे हैं। एक साथ इतने विरोधियों का सामना पहले बीजेपी और संघ को नहीं करना पड़ा था। इन पाटियों को साथ लाने में भी इनकी भूमिका है और आगे भी वे बीजेपी के विरुद्ध एक-एक संयुक्त उम्मीदवार सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। जाहिर है, बीजेपी को इन शक्तियों का वास्तविक

आकलन करके चुनावी रणनीति का निर्धारण करना होगा। 2019 लोकसभा चुनाव के बाद शाहीनबाग आंदोलन से लेकर कृषि कानून विरोधी आंदोलन और कोरोना काल तक तमाम मौकों पर विषय पर मैं मोदी सरकार विरोधी मोर्चाट बनाने की इनकी शक्ति प्रमाणित हो चुकी है। ऐसे में क्या 36 वलों को साथ लाना नहीं कदम है? इस कदम के कुछ फायदे हैं तो इसकी सीमाएं भी स्पष्ट हैं। विपक्ष के समानांतर माहौल बनाए जाने की दृष्टि से जरूर इसका कुछ महत्व है। इमरॉ से कुछ पार्टियां भी विपक्षी खंभे में चले जातीं तो उनकी ताकत बढ़ती। इन्हें साथ लाकर बीजेपी ने एक तरह से विपक्ष के विस्तार को रोक दिया है। मगर लोकसभा चुनाव में लोग मुख्तार सरेंदा मोदी के नाम पर ही मतदान करेंगे। जातीय-स्थानीय समीकरण में ये दल कहीं-कहीं थोड़े-बहुत जोड़ सकते हैं, किंतु इनमें से अनेक नेताओं की खंजि ज़मिन्दार और परिक्ख नेता की नहीं है।

असंतोष से निपटना होगा

एस में बीजेपी को खेदना होगा कि केंद्र और राज्य को उसकी सकारांश में अपनी विचारधारा पर जो काम विफल है उनके साथ उन दलों का तात्कालिक बैठना चाहिए। राहत की बात यह भी है कि महंगाई अर्थ की लेकर लोगों में थोड़ा असंतोष है, किंतु नरिंद मोदी या बीजेपी के विरुद्ध देश में जन आक्रोश नहीं है। हा, राज्यों में पार्टी के ऊपर समर्थकों-कार्यकर्ताओं की उपेक्षा के कारण व्यापक असंतोष है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में पराजय का यही संकेत बड़ा होगा। इसे दूर करने पर बीजेपी को फोकस करना होगा।



नदीम

यह भी सचाई है कि अकेले चुनाव लड़ने पर ये दल कोई ताकत नहीं बन पाते हैं लेकिन बड़े राजनीतिक दलों का सियासी समीकरण जरूर बिगाड़ देते हैं। बड़े राजनीतिक दलों को छोटी-छोटी जातियों को साथ लाने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ जाती है

पहली नजर में देखें तो केंद्र में 2014 से सरकार चला रही 300+ सांसदों वाली और दस राज्यों में अकेले तो करीब आधा दर्जन राज्यों में गठबंधन सरकार चलाने वाली बीजेपी के सामने ओम्प्रकाश राजभर की भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी की कोई बिसात नहीं है। यह भी यह होगा कि 2019 लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बीजेपी से गठबंधन खत्म करने के बाद ओम्प्रकाश राजभर ने बीजेपी के शीर्ष नेताओं के बारे में क्या कुछ नहीं कहा। फिर भी 2024 लोकसभा चुनाव के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने खुद राजभर से मुलाकात की और उन्हें बीजेपी के साथ लाने के लिए मनाया। 16 जुलाई को शाह ने ट्वीट किया, राजभर जी के आने से उत्तर प्रदेश में एनडीए को मजबूती मिलेगी और मोदी जी की लीडरशिप में एनडीए सरकार की ओर से गरीबों-वर्चिष्ठ के कल्याण हेतु किए जा रहे प्रयासों को और बल मिलेगा। राजभर से पहले अमित शाह ने पिछले महीने बिहार की हिंदुस्तान अवाम मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी से भेंट कर उनकी एनडीए में वापसी पक्की करायी। वहीं, पिछले सोमवार को शाह लोकतांत्रिक जनशक्ति पार्टी को भी अपने साथ लाने में कामयाब हुए।

बदली रणनीति

भारतीय राजनीति में इधर जो बदलाव आया है, इसमें उसका पता चलता है। ऐसा नहीं है कि छोटे दल सिर्फ बीजेपी की ही जरूरत बन गए हैं। जो गैर-बीजेपी खेमा है, उसके लिए भी ये बहुत अहम है। राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी के खिलाफ विपक्ष की जो गोलबंदी हो रही है, उसमें भी अलग-अलग राज्यों में, अलग-अलग समूहों पर पर असर रखने

वाले दलों को साथ लेने की हरसंभव कोशिश की जा रही है। लेकिन सवाल यह है कि भारतीय राजनीति में अब बदलाव आया कैसे?

दरअसल, नब्बे के दशक में जब मंडल-कमंडल की राजनीति का उभार शुरू हुआ तो धार्मिक गोलबंदी के साथ-साथ जातीय गोलबंदी का भी रस्ता खुलना शुरू हुआ। यहाँ से अलग-अलग जातियों और उपजातियों के बीच राजनीतिक नेतृत्व पैदा होने शुरू हुए और छोटे-छोटे राजनीतिक दल अस्तित्व में आने लगे। इसका बड़ा अंतर खास तौर पर यूपी और बिहार की राजनीति में दिखना शुरू हुआ। यूपी में छोटे दलों की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है जिस रायदा की पॉलिटिक्स अब तक बीजेपी, काँग्रेस, रद, इरद जैसे

बड़े जनाधार वाले दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है, वहाँ अब अपना दल, महान दल, निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, बहुजन आजाद पार्टी, जनवादी सोशलिस्ट जैसे दलों का न केवल दखल बढ़ा है बल्कि उन्होंने बड़े दलों को अपनी शक्ति पर झुकने को मजबूर कर दिया है। बीजेपी को भी निषाद पार्टी को साथ बनाकर रखने के लिए न केवल उसके अध्यक्ष डॉ संजय निषाद को विधान परिषद भेजना पड़ा बल्कि विधानसभा चुनाव के लिए उनकी पार्टी के टिकटों का कोटा भी तन करना पड़ा था। अपना दल की मुखिया अनुप्रिया पटेल मोदी सरकार में मंत्री तो बनीं ही, उनके पति को भी यूपी में छठ बनावार उनके लिए योगी सरकार में मंत्री पद सुरक्षित किया गया। राजभर को फिर से

एनडीए में लाने के लिए बीजेपी ने उनके साथ तलछी भुला दी। यूपी के 2017 के विधानसभा चुनाव में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी बीजेपी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ी थी और योगीजी सरकार में हिस्सेदार भी बनीं। लेकिन 2022 चुनाव में वह समाजवादी पार्टी के पाले में चली गई थी। वहाँ, 2022 चुनाव में जो समाजवादी पार्टी काँग्रेस से बातचीत को तैयार नहीं हुई थी, वह महान दल, जनवाद सोशलिस्ट पार्टी और अपना दल कमरावादी के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ी थी। ये छोटे दल जिन जातियों की मुआंझगी करते हैं। उनकी आबादी को अगर राज्य की कुल आबादी की कसौटी पर काटा जाए तब तो वह बहुत कम दिखेगी। लेकिन इन पार्टियों का जनाधार जिस जति के लोग

है, वे राज्य के कुछ खास जिलों में केंद्रित हैं। इसलिए ये पार्टियां उन जिलों के चुनावी नेताओं को प्रभावित करने की ताकत रखती हैं। यूपी जैसी ही हाल बिहार का भी है। हिंदुस्तानी आमचों का भावना में महादलित समाज की नुमाइंदगी करता है। बिहार की राजनीति में महादलित मतदाता इतनी संख्या में हैं कि वहां के चुनाव को प्रभावित करते हैं। लिहाजा इनकी मांग बनी रहती है। इसलिए बिहार में जीवन भर मांडी हर चुनाव के वक्त अपनी सुविधा के अनुसार पार्टनर बदलते रहते हैं। नतीजा, लालू और बीजेपी, जिसके साथ वह जाना चाहते हैं, उनके दरवाजे खुल जाते हैं। मुकेश सक्सी अपने को सऊ अफ्रीका मल्लाह लिखते हैं। उन्होंने अपने समाज की नुमाइंदगी करने के लिए ही विकासशील ईसान पार्टी बनाई हुई है। आज की तारीख में सक्सी भी बिहार के बड़े राजनीतिक दलों की जल्दत गन गए हैं। लोक जनशक्ति पार्टी की भी दलों के साथ अदला-बदली चलती रहती है।

खेल बिगाड़ने की ताकत

इसमें कोई शक नहीं है कि अलग-अलग जातियों की मुभाइंदगी के लिए इन दलों को उनके समाज की स्वीकृतांदा मिल चुकी है। यहां भी सचाई है कि अकेले चुनाव लड़ने पर ये दल कोई ताकत नहीं बन पाते हैं लेकिन बड़े राजनीतिक दलों का सहायसमीकरण जरूर बिगाड़ देते हैं। बड़े राजनीतिक दलों को छोटी-छोटी जातियों को साथ लाने के लिए बड़ी मशकत करनी पड़ जाती है, लेकिन उनकी मुभाइंदगी करने वाली पार्टियों को साथ लेने पर उन्हें इन जाति समूहों का समर्थन आसानी से मिल जाता है। यही वजह है कि छोटे दल सभी बड़े राजनीतिक दलों की जरूरत बन चुके हैं।

एक नजर

उपरी कला पंचायत सचिवालय परिसर में सैकड़ों अधिक आधार कार्ड मोबाइल नंबर भौतिक सत्यापन किया गया

हुसैनाबाद पलामू। हुसैनाबाद प्रखंड के पंचायत ऊपरी कला पंचायत सचिवालय परिसर में शुक्रवार को वृद्ध, विकलांग, निराश्रित, विधवा पेंशन धारी सैकड़ों से अधिक महिला पुरुष को आधार कार्ड मोबाइल नंबर भौतिक सत्यापन किया गया। मौके पर पूर्व पंचायत समिति सदस्य संह मुखिया पति रामजी राम ने कहा कि पेंशन योजना धारियों को भौतिक सत्यापन कराना अनिवार्य है ये अति आवश्यक समझे उन्होंने कहा आगामी 21 जुलाई से 21 अगस्त तक निर्धारित किया गया। इसे सुनिश्चित करें ताकि कोई भी व्यक्ति भौतिक सत्यापन के लिए छूटें नहीं, अन्यथा पेंशन रूक भी सकती है मौके पर पंचायत सचिव नन्द किशोर यादव पंचायत सेवक सुयुदित राम रोजगार सेवक अशोक कुमार दुबे वार्ड सदस्य अरविंद कुमार विश्वकर्मा बुजमोहन शर्मा उदय कुमार सिंह विरेन्द्र कुमार पासवान जगदीश राम समाजसेवी रमेश कुमार राम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जीवन ज्योत सदैव जरूरतमंद की सेवा के लिए तत्पर रहता है और रहेगा दुर्गेश सिंह

मेदिनीनगर पलामू। जीवन ज्योत शाखा पंजरी कला अंतर्गत स्वर्गीय सुखाड़ी भुइयां के निधन के उपरांत हिंदू रीति-रिवाजों से कार्यक्रम संपन्न कराने हेतु जीवन ज्योत परिवार के तर्फ से छोट सा सहयोग प्रदान किया गया ,जी॰वन ज्योत संरक्षक अमित सिंह के नेतृत्व में यह कार्य संपन्न हुआ तथा अमित सिंह ने बताया कि जीवन ज्योत सदैव जरूरतमंद की सेवा के लिए तत्पर रहता है और रहेगा समाज में मुखरता लाने हेतु तथा सहयोगार्थ देतु एक दूसरे का साथ देना अति आवश्यक है, मानवता इसी का नाम है छोट सहयोग हमने किया है आप सभी भी मिलकर समाज में एक दूसरे का सहयोग करके सहयोगी बने जिससे कि एकता का मिसाल कायम हो तब ही जाकर के अच्छे समाज का विस्तार होगा एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए चलिए जीवन ज्योत से जुड़ कर समाज का उत्थान करें जय हिंद कार्यक्रम में उपस्थित जीवन ज्योत संचालक बिदेश कुमार चौधरी, उमेश चौधरी, असमूल अंसारी, रामानुज भुइयां, उपस्थित रहे।

शहर में महिला से दिनदहाड़े एक लाख 10हजार रुपए की लूट

मेदिनीनगर पलामू। घटना की जानकारी मिलते ही शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा, टीओपी वन प्रभारी रेवा शंकर राणा, टीओपी टू प्रभारी रूद्रानंद सरस, टाइगर मोबाइल के जवान खन्वीन में जुट गए। शहर थाना क्षेत्र के डॉक्टर आरपी सिंहा रोड स्थित ग्रामीण बैंक से पैसा निकाल कर अपने घर जा रही महिला से अपराधियों ने दिनदहाड़े एक लाख 10 हजार रुपए की लूट कर फरार हो गए। इस घटना से महिला का घटनास्थल पर ही रो रो कर बुरा हाल था।इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा इस घटना की जानकारी शहर थाना को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा, टीओपी वन प्रभारी रेवा शंकर राणा, टीओपी टू प्रभारी रूद्रानंद सरस, टाइगर मोबाइल के जवान शारीक इरशाद, संतन कुमार, मुकेश सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचकर आसपास के जगहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रहे हैं। ताकि अपराधियों का पता चल सके।जानकारी के अनुसार शुक्रवार की दोपहर करीब 2:00 बजे महिला सबिता देवी डॉक्टर आरपी सिंहा रोड स्थित ग्रामीण बैंक से 1लाख 10 हजार रुपए निकासी कर अपने घर जा रही थी। तभी ग्रामीण बैंक के सामने बाइक पर सवार अज्ञात अपराधियों ने महिला के हाथ से रुपये से भरा झोला लूटकर फरार हो गए। इस संबंध में शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा ने बताया कि घटना से संबंधित मामले को छानबीन की जा रही है |जिस जगह पर लूट हुई है उस जगह पर सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है. जगह-जगह चेक पोस्ट पर पुलिस की तैनाती की गई है. उन्होंने बताया कि इस मामले में शामिल सभी आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताते चलें कि कुछ दिन पहले भी शहर के बीच बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक से पैसा निकाल कर घर जा रहे एक युवक से अपराधियों ने 63000 हजार रुपए की लूट की थी। लगातार लूट की घटना से पब्लिक में भय का माहौल उत्पन्न है।

चतरा लोकसभा सीट से बीजेपी के प्रबल दावेदार प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह



मेदिनीनगर पलामू। झारखंड की सबसे चर्चित लोकसभा की चतरा लोकसभा माने जाते हैं जहां वर्तमान बीजेपी सांसद सुनील सिंह के साथ-साथ बीजेपी से इस बार 1 दर्जन से अधिक नेता और कार्यकर्ता अपनी दावेदारी पेश करने में लगे हुए हैं । वहीं उन दावेदारों में एक नाम जो चतरा लोकसभा क्षेत्र में संगठन के कार्यक्रम और दायित्व के साथ-साथ आम कार्यक्रमों में भी पूरी तरह से सक्रिय देखे जा रहे हैं वह नाम है भाजपा के प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख मनोज सिंह। मनोज सिंह भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के प्रशिक्षण प्रमुख होने के साथ-साथ चतरा लोकसभा अंतर्गत आने वाले लातेहार पलामू और चतरा जिले में पार्टी के कार्यक्रमों के प्रभारी भी रहे हैं जहां उनकी पहचान और पकड़ पार्टी के लगभग सभी मंडल कमेटी के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों के बीच बनी हुई है जिसके कारण मनोज सिंह को चतरा सांसद सुनील सिंह के साथ साथ चतरा लोकसभा सीट का बीजेपी का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। मनोज सिंह मूल रूप से पलामू डाल्टनगंज में निवास करते हैं मगर उनका राजनीतिक पृष्ठभूमि चतरा लोकसभा माना जा रहा है जिससे स्पष्ट है की विगत कई वर्षों में चतरा लोकसभा क्षेत्र में उनकी सक्रियता लोकसभा टिकट की दावेदारी को पूरी तरह से पुष्टा करता है । वहीं पार्टी के विशेष सूत्रों की माने तो मनोज सिंह की पकड़ चतरा लोकसभा अंतर्गत आने वाले लातेहार और पलामू जिले में काफी मजबूत होने के साथ-साथ चतरा जिले में भी सक्रियता उनकी मजबूती को दिखाता है। मनोज सिंह एक बार डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र से विधायकी का चुनाव लड़ चुके हैं।

सीता प्लस टू उच्च विद्यालय में शारीरिक परीक्षा और कागजात की जांच के बाद 50 छात्रों का एनसीसी में चयन

हरिहरगंज पलामू। हरिहरगंज स्थानीय सीता प्लस टू उच्च विद्यालय में शुक्रवार को 44 झारखंड बटालियन के कमांड लेफ्टिनेंट कर्नल अमिताभ मुखर्जी के निर्देश पर एनसीसी में छात्रों की चयन

प्रक्रिया 44 बटालियन के सुबेदार माधवनाथ, नायक सुबेदार बिरसा उरांव तथा विद्यालय के एनसीसी पदाधिकारी ओरेंद्र कुमार यादव के देखरेख में पूरा किया गया। विद्यालय के एनसीसी पदाधिकारी ओरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि एनसीसी में भर्ती हेतु कुल 300 छात्र शामिल हुए। जिन्हें 800 मीटर कि दौड़, बिम, डिप्स, पुसप तथा सामान्य तथा प्रश्नोत्तरी की परीक्षा के उपरांत 50 छात्रों का चयन किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय कुमार राय ने कहा कि विद्यालय के एनसीसी कैडेट बड़े ही अनुशासित ढंग से रहते हैं। इस मौके पर शिक्षक नागदेव यादव, नीज सिंह, गोपाल शरण राणा, कन्हैया प्रसाद सिंह, डॉ राजकुमार, भरदुल पासवान, योगेंद्र राम सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

जिला मुख्यालय के समक्ष आंदोलनकारियों का प्रदर्शन संपन्न

जिला प्रशासन अड़ियल रवैया नहीं अपनाये: रविंद्र शांडिल्य

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा कोडरमा के बैनर तले जिला मुख्यालय कोडरमा के समक्ष विशाल प्रदर्शन एवं बिरसा सांस्कृतिक भवन कोडरमा में एक दिवसीय सम्मेलन का आगाज किया गया। आयोजित प्रदर्शन का नेतृत्व एवं सम्मेलन की अध्यक्षता जिला संयोजक झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा कोडरमा रविंद्र शांडिल्य ने किया। पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत कोडरमा बरनबाल धर्मशाला से हजारों की संख्या में पारंपरिक हथियार से लैस होकर आंदोलनकारियों ने गाजे- बाजे के साथ गुंजित स्वर में जुलूस निकाला गया। जुलूस जिला मुख्यालय के समक्ष पहुंचकर उपायुक्त कोडरमा से मिलने की जिद करने लगे आंदोलनकारियों के द्वारा यह मांग किया गया कि जिला उपायुक्त से मिलें और 10 सूत्री मांगों के स्मार पत्र मुख्यामंत्री और राज्यपाल झारखंड सरकार के नाम जिला उपायुक्त को देंगे आंदोलनकारियों और जिला प्रशासन में काफी कहा सुनी सुनी के बाद 51 सदस्य कमेटी ने जिला उपायुक्त को स्मार पत्र दिया स्मार पत्र 100 पर जाने के बाद आंदोलनकारियों ने मुख्यालय के समक्ष सभा का आयोजन किया इस अवसर पर सभा की अध्यक्षता कर रहे रविंद्र शांडिल ने कहा कि जिला प्रशासन अपने अड़ियल रवैया को वापस ले और आंदोलनकारी मां



आंदोलनकारियों के द्वारा जो मांग की जा रही है उसे सरकार तक पहुंचाने का काम करें। आंदोलनकारी नेता अजय कृष्ण ने कहा कि आंदोलनकारियों की बात यदि सुनी नहीं गई तो चरणबद्ध तरीके से आंदोलन होगा। जबकि संचालन करते हुए गंगा प्रसाद यादव ने कहा कि जिला के आंदोलनकारी अब जागरूक हो गए हैं किसी भी तरह की समस्याओं को यदि सुलझाया नहीं जाता तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान जिला संयोजक मंडली का गठन किया गया। प्रत्येक प्रखंड से 2- 2 जिला संयोजक बनाया गया। रविंद्र शांडिल, गंगा प्रसाद यादव, सत्यदेव राय, उमेश राम, विश्वनाथ राय, प्रभु राय, बाबूलाल हेमराम, रामचंद्र सिंह, निर्मला तिवारी, अनिल वर्णवाल, राम पांडे, संदीप पांडे आदि को जिला संयोजक सर्वसम्मति से बनाया गया। वहीं

प्रखंड स्तरीय संयोजक मंडल का गठन किया गया जिसमें बीरबल बेसरा, विष्णु धारी मुसर, परमेश्वर राय दिलीप मुसार, उपेंद्र राय सतगामा से डोमचांच से रामेश्वर दास, खुद नारायण पासवान, हरि रायचक, लाल अशोक शर्मा मरकचो से धीरू मुर्मु, राजकुमार सिंह, तारणी प्रसाद, मेहेंद्र राय, मजनु बेसरा कोडरमा से मंजू देवी राजू सिंह, मनोज कुमार, नवीन सिंह, सहदेव राम झुमरी तिलैया से मिथिलेश सिन्हा, सुर्नेना देवी, धीमेंद्र चौधरी, नागेश्वर प्रसाद, विनोद यादव, चंदवारा से मोहम्मद रफीक प्रयाग ज्य्याद, उमिया देवी, बंधनी देवी, दिनेश्वर गिरी, रामकृष्ण दास जबकि जयनगर से त्रिवेणी पांडे मनीष पांडे, कलावती देवी, गोविंद बिहारी, सुनील गुप्ता के नाम प्रखंड संयोजक के रूप में सर्वसम्मति से पारित किया गया। सौपी जाने वाली स्मार पत्र में आंदोलनकारियों को

सम्मान के रूप में 25000 मासिक पेंशन देय तय किया जाए आंदोलनकारियों एवं मृत आंदोलनकारियों के आश्रितों को स्वरोजगार हेतु दस लाख अनुदान एकमुश्त दिया जाए जिला प्रशासन के पदाधिकारियों के द्वारा झारखंड आंदोलनकारियों को मान सम्मान देते हुए उनकी जर्नलित समस्याओं के समाधान में प्राथमिकता तय किया जाए आंदोलनकारियों को आवास योजना लागू कर अखिलंब आवास निर्माण करवाया जाए। झारखंड आंदोलनकारियों को 15 अगस्त एवं 26 जनवरी तथा 15 नवंबर को विशेष रूप से सम्मान दिया जाए। झारखंड आंदोलनकारियों पर हो रहे मुकदमा राज्य सरकार बिना शर्त वापस करें उदाहरण स्वरुप डोमचांच थाना कांड संख्या 69/23 वापस करे झुमरीतिलैया स्थित गुप्तो में केंद्रीय विद्यालय की हो रही निर्माण के

बाहर चारों ओर 30 फीट का रास्ता छोड़ा जाए। चिन्हित झारखंड आंदोलनकारियों को 15 नवंबर 2000 से ही सभी को एक समान पेंशन 25000 निर्धारित किया जाए। एवं जेल बाध्यता को समाप्त किया जाए बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा आंदोलनकारियों को जो सुविधाएं दी जा रही है उसे झारखंड सरकार अखिलंब लागू करे सभा को श्री राम पांडे अनिल मोदी विश्वनाथ राय चंद्रदेव यादव संजय कुमार साजन प्रयाग यादव मुखली मोदी रेखा देवी चंद्रशेखर प्रसाद लक्ष्मण मेहता राम लखन यादव रामेश्वर बाल गोविंद साव चंद्रावती देवी मिथिलेश प्रसाद सिन्हा कोदनारायण पासवान राम सोमर हेमरोम लाल सिंह सिकंदर राय सुरेश यादव मनोज पांडेय चेतलाल साहू अशोक शर्मा संतोष मेहता अनील वर्णवाल विनोद यादव नैना देवी सुरेश यादव बसंती देवी जसोदा देवी मोनी कुमारी पांडे हरि राय चंद्रावती देवी धनेश्वर राय प्रिंस कुमार साहू बाल गोविंद साहू आशा देवी कोशल्या देवी संतोष मेहता कालबादेवी सुकरी देवी बसंती देवी चंदवा देवी प्रमिला देवी मोना देवी गुजरी देवी बनवारी सिंह लाल साहू अमृत दास रामेश्वर दास हरि राय मनोज श्रीवास्तव अमिता देवी आदि लोगों ने सभा को संबोधित किया सम्मेलन ने भाग लेकर सैकड़ों आंदोलनकारी उपस्थित हुए एवं बैठक पणजी में

जयनगर सभागार में विभिन्न विकास योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

नवप्रदेश, कोडरमा। उप विकास आयुक्त ऋतुराज द्वारा प्रखण्ड जयनगर सभागार में विभिन्न विकास योजनाओं का समीक्षात्मक बैठक किया गया। जिसमें प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, बी.पी.एम, जे.एस.एल.पी.एस, सभी कनीय अभियंता, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार संचालक, बी.एफ.टी इत्यादि प्रखण्ड कर्मी मौजूद रहे। बैठक के दौरान प्रति ग्राम 5-6 योजनाओं का क्रियान्वयन करने, मानव दिवस का उत्पत्ति दर्ज करना, एबीपीएस के लिए कैम्प का आयोजन कर छुटे हुए मजदूरों का म.ज़ल्ब आदि कराने से संबंधित निदेश दिया गया। तथा लॉबित आवासों को पूर्ण करने, अमृत सरोवर में पौधा रोपण का कार्य कराने, 15 वे0 वित्त में लक्ष्य के अनुरूप योजनाओं में कूच कराने का



स्वीकृत करना, सभी योजना का एनएमएसएस से मजदूरो का उपस्थिति दर्ज करना, एबीपीएस के लिए कैम्प का आयोजन कर छुटे हुए मजदूरों का म.ज़ल्ब आदि कराने से संबंधित निदेश दिया गया। तथा लॉबित आवासों को पूर्ण करने, अमृत सरोवर में पौधा रोपण का कार्य कराने, 15 वे0 वित्त में लक्ष्य के अनुरूप योजनाओं में कूच कराने का

निदेश दिया गया। समीक्षा बैठक के पश्चात ग्राम पंचायत सदोही में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसमें कूप, वीर शहीद पोतो हो खेल विकास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, एबीपीएस से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। तथा डोभा, आँगनवाडी भवन निर्माण, बागवानी योजना का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

मणिपुर में जारी हिंसा और बेटियों के साथ हुए अमानवीय अत्याचार के खिलाफ इष्टा ने सांस्कृतिक विरोध किया

मेदिनीनगर पलामू। मणिपुर में जारी हिंसा और बेटियों के साथ हुए अमानवीय अत्याचार के खिलाफ इष्टा की पलामू इकाई ने सांस्कृतिक प्रतिरोध का आयोजन कचहरी परिसर में किया। इस प्रतिरोध में इष्टा के कलाकारों के साथ छात्र संगठन आईसा, ईंकलाबी नौजवान सभा, जन संग्राम मोर्चा, अखिल भारतीय किसान सभा, भाकपा, भाकपा माले, ज्ञान विज्ञान समिति, सहित शहर के बुद्धिजीवी काफी संख्या में शामिल थे। सांस्कृतिक प्रतिरोध के दौरान शामिल लोग अपने हाथ में पोस्टर लेकर सड़क के किनारे खड़े थे। पोस्टर में मणिपुर की बेटियों के साथ हुए भयावह यौन उत्पीड़न एवं अत्याचार को उकेरा गया था। पोस्टर का निर्माण इष्टा के कलाकारों के साथ अंशु आर्ट के कलाकार पवन विश्वकर्मा एवं मासुम आर्ट ग्रुप के संजीत कुमार ने



किया था। प्रतिरोध के दौरान सभी लोग ने मणिपुर के घटना को शर्माका बताया। साथ ही आम आवाम को आगाह करते हुए कहा कि मणिपुर जैसी घटना फिर किसी अन्य राज्य में ना हो इसके लिए आपसी एकजुटता बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। झारखंड इष्टा के महासचिव उपेंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि हमारा सांस्कृतिक प्रतिरोध मणिपुर की बेटियों की हिफाजत के लिए है। हम उनके संघर्ष के साथ हैं। साथ ही यह प्रतिरोध नफरत की राजनीति करने वालों के खिलाफ भी

है। भविष्य में इस प्रकार की घटना ना हो इसके लिए भी हम सभी मैदान में उतर चुके हैं। अखिल भारतीय किसान सभा के प्रांतीय अध्यक्ष केडी सिंह ने कहा कि पिछले 78 दिनों से मणिपुर जल रहा है। हिंसक कार्रवाइयों के साथ मणिपुर की बेटियों के साथ जैसा हुआ है पूरा देश उस पर शर्मसार है। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं वरिष्ठ रंगकर्मी नंदलाल सिंह ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ जो घटना हुई है उसकी पीड़ा का बखान शब्दों में नहीं किया जा सकता।

मणिपुर हिंसा को लेकर झामुमो ने भाजपा का पुतला दहन किया

मेदिनीनगर पलामू। मणिपुर में आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और उनके बलात्कार की वीडियो आने के बाद पूरे झारखंड में भी उबाल है। इस वीषत घटना के विरोध में छह मुहान चौक पर झामुमो पलामू ने भाजपा का पुतला दहन अक्रोशित रूप से उपाध्यक्ष राजेश सिन्हा जी के नेतृत्व में किया। सचिव सन्नु सिद्धिकी जी ने कहा मणिपुर की घटना ने पूरे देश का दिल दहला कर रख दिया है। डबल इंजन शासित मणिपुर को सरकार हाथ पर हाथ धर

कर बैठी है और मणिपुर जल रहा है और महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है। केंद्र की सरकार को चुप्पी पूरे देश को तोड़ रही है, अपराधियों का मनोबल इतना कभी नहीं बढ़ा था जितना आज भाजपा शासन में बढ़ा है। भाजपा शुरू से ही आदिवासी विरोधी है, आदिवासियों पर अत्याचार करने का, समाज को तोड़ने का इनका रिकॉर्ड रहा है। 77

24 साल बाद पीड़ित परिवार को मिला न्याय

मेदिनीनगर पलामू। जिला व्यवहार न्यायालय के पंचम जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अभिमन्यु कुमार की अदालत ने हत्या के एक मामले में रामा भुइयॉ व कलुआ भुइयॉ को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वही 25 ,25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड की राशि नहीं देने पर एक वर्ष अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। इस मामले में कमल भुइया ने छतरपुर थाना में चार लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया था जो छतरपुर थाना कांड संख्या 125 सन 1999 तिथि 15 नवंबर 99 को भारतीय दंड विधान की धारा 302 / 34 एवं 201/ 34 के तहत दर्ज किया गया था। अभियुक्तों पर आरोप था कि दिनांक 11 नवंबर 1999 को अभियुक्त गण कमल भुइया के घर गए तथा कमल भुइया के पिताजी लखन भुइयॉ को टांगी से प्रहार कर उनकी हत्या कर दी। रामा भुइयॉ टांगी तथा कलुआ भुइया लाठी लिए हुए अन्य अभियुक्तों के साथ मृतक के घर जाकर उनकी हत्या कर दी। तथा मृतक के शव को जंगल में ले जाकर जला दिया । ये लोग मृतक पर ओझा होने का तथा भूत लगाने का आरोप लगा रहे थे। सूचक ने कलुआ भुइया, रामा भुइया, हरि भुइया, व लल्लू भुइया के विरुद्ध छतरपुर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया था। इसमें एक आदमी की मृत्यु हो गई है। तथा एक फरार चल रहा है।

बाइक राइडर सोभा बासु का किया गया स्वागत

सगागावा (कोडरमा)। बाइक राइडर सोभा बासु बारासात से राजगीर जाने के क्रम में सासानवी प्यूल सेंटर के पास रुकने के दौरान स्वागत किया गया तथा उनके साथ सेल्फी लेने के लिए होड़ मच गया। इस दौरान उनसे बाइक राइडर के बारे में काफी जानकारी लिया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि मैं पश्चिम बंगाल के बारासात की रहने वाली हूँ और भारत भ्रमण बाइक से ही करती हूँ और मैं ब्लॉग भी बनाती हूँ, मेरा फायर ब्रैंड सोभा के नाम से यु ट्यूब चैनल है उसे सप्ताकाइब कर भी मेरी एक्टिविटी के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते है। बाइक के बारे में पूछने पर बताया गया कि मैं जैसे फिट रहती हूँ तो अपने बाइक को भी फिट रखती हूं। और मैंने अपने बाइक का नाम प्यार से चैंपियन रखा है. क्योंकि मैं जो भी मुकाम हासिल कर रही हूँ या की हूँ तो उसमें मेरा चैंपियन (बाइक) का अहम योगदान रहा है। मेरे द्वारा लोगों को संदेश देने पर उनके द्वारा बताया गया कि जब भी आप बाइक सवारी करते है तो सुरक्षा किट का इस्तेमाल करे क्योंकि जिंदगी अनमोल है और इसकी रक्षा हम सभी को स्वयं करना चाहिए बाइक या कार चलाते समय नॉंद आती है तो तुरंत रुककर आराम कर लेना चाहिए बारासात से लगातार सफ़र कर राजगीर जाने के क्रम में बाइक राइड करते समय सोभा बासु को नॉंद आ रही थी तो उसी क्रम में वो सगागांव प्रखण्ड के कलीडीह स्थित सासानवी प्यूल सेंटर में एक घंटे के लिए रुककर आराम कर फिर से अपने गंतव्य स्थल राजगीर की ओर कूच कर गयी।

जनता दरबार में आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त

कोडरमा। उपायुक्त आदित्य रंजन ने जनता दरबार में आए परिरायदियों की समस्याएं बारी-बारी से सुनी एवं उसके निषादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया। आर्या के जनता दरबार में ग्राम नईटांड के रहने वाले राम विलास यादव ने विद्यालय के खेल मैदान हेतु जमीन उपलब्ध कराने, सरदारोडीह की रहने वाले विजय साहु ने जमीन डीडी रद्द करने ग्राम नईटांड की देवन्ती देवी घर का रास्ता जबरन बंद कर देने समेत अन्य समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए ग्रामीणों की बारी-बारी से उपायुक्त ने समस्या सुनी ईं एवं यथाशीघ्र उनके समस्याओं के निराकरण करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया।

जानता दरबार में आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त



दिन तक एकआईआर का दर्ज नहीं होना सरकार के निक्कमे होने का सबूत है। हमारी मांग है की देषियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और कड़ी से कड़ी सजा दी जाए साथ ही जल रहे मणिपुर को बचाया जाए।



एक नजर

छठा दिन मजदूरों का चक्का जाम आंदोलन खत्म, 2 हजार की वेतन वृद्धि पर बनी बात

धनबाद/लोयाबाद। कनकनी कोलियरी अंतर्गत संचालित रामावतार आउटसोर्सिंग कंपनी मे छह दिनों से चल रहा चक्का जाम आंदोलन गुरुवार 20 जुलाई को वार्ता के बाद समाप्त हो गया। कंपनी प्रबंधन और आंदोलन कर



रहे कर्मियों के बीच आउटसोर्सिंग स्थल पर पुलिस के समक्ष वार्ता हुई। जिसमे सभी कर्मियों का वेतन दो हजार रुपए बढ़ाने का फैसला हुआ। वार्ता में मजदूरों की अगुवाई एटक नेता मनोज मुखिया कर रहे थे। कंपनी की ओर से प्रबंधक अंकित सिंह, सुनील सिंह उपस्थित थे। आंदोलन समाप्त होने के बाद आउटसोर्सिंग परियोजना का काम शुरू हो गया। गौरतलब है कि रामावतार आउटसोर्सिंग कंपनी के मजदूर वेतन बढ़ोतरी, पीएफ कटौती, सुरक्षा उपकरण मुहैया कराने सहित 11 सूत्री मांगो को लेकर अनिश्चितकालीन चक्का जाम आंदोलन कर रहे थे। इस दौरान कंपनी प्रबंधन की ओर से कई बार आंदोलन समाप्त करवाने का प्रयास किया गया। लेकिन मजदूर अपनी मांगो पर अड़े रहे। आंदोलन मे उमेश चौहान, जीतू बाउरी, तपन गौराई, नंददाल महतो, जितेंद्र चौहान, शंकर राणा, उमेश राणा, विकास चौहान, जेपी चौहान, विनय चौहान, कर्म रजवाड़, जमाल मंसूरी, पप्पू अंसारी, दीपेंद्र बेलदरा, राकेश चौहान, राजकुमार चौहान और सुफल महतो सहित अन्य मजदूर शामिल थे।

गया पुल नये अंडरपास के लिए रेलवे ने जमीन देने पर सहमति जताते हुए, डीआरएम ने मोबिलाइजेशन करने का दिया आदेश

धनबाद। गया पुल नये अंडरपास के लिए रेलवे ने जमीन देने पर सहमति दे दी है। सांसद पीएन सिंह की पहल पर बुधवार को धनबाद डीआरएम ने आरसीडी को मोबिलाइजेशन का काम शुरू करने को हरी झंडी दी। रेलवे ने राज्य सरकार से छह करोड़ रुपए मांगे थे। राज्य सरकार द्वारा यह राशि देने के बाद डीआरएम ने बुधवार को मोबिलाइजेशन का काम शुरू करने पर सहमति दे दी। बताते चले कि नये अंडरपास के लिए टेंडर लगभग फाइनल हो गया था। फाइनेंशियल बिड में शीला कंस्ट्रक्शन ने टेंडर राशि से 25 प्रतिशत अधिक राशि कोट किया था। मामला कैबिनेट में गया. कैबिनेट ने शीला कंस्ट्रक्शन की डिमांड को निरस्त करते हुए नये सिरे से टेंडर निकालने का निर्देश पथ निर्माण विभाग को दिया है। इधर, पथ निर्माण विभाग ने नये सिरे से टेंडर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जाम की समस्या समाप्त होगी। गया पुल पर लोगों को अक्सर जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। लोग घंटों फंसे रहते हैं। नया अंडरपास बनने से जाम की समस्या से मुक्ति मिल जायेगी। बताते चले कि डीएमएफटी के 23.84 करोड़ रुपए से गया पुल नये अंडरपास का निर्माण किया जाना है। गया पुल के पास एक अंडरपास से इंटी, तो दूसरे अंडरपास से निकसी होगी। दो संवेदकों ने डाले थे टेंडर नये अंडरपास के लिए दो संवेदकों ने टेंडर डाला था। रायपुर की शीला कंस्ट्रक्शन व नासिक की एबीएल इंफ्रा प्रालि ने टेंडर डाला था। लेकिन तकनीकी बीड में एबीएल इंफ्रा प्रालि ड्रिलक्वालीफाइ हो गयी। शीला कंस्ट्रक्शन को काम मिलना तय था। लेकिन फाइनेंशियल बिड में शीला कंस्ट्रक्शन के टेंडर राशि से 30 प्रतिशत अधिक राशि कोट करने से कैबिनेट ने इसे निरस्त कर दिया है।

ग्वागडिगी पुल को क्षतिग्रस्त कर, पुल पर फंसा सुशी आउटसोर्सिंग का हाड़वा

झरिया। सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना का हाड़वा गुरुवार 20 जुलाई को बागडिगी पुल से गुजरने के दौरान पुल पर हो फंस गया। इस दौरान पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया। ड्राइवर ने किसी तरह कूदकर अपनी जान बचाई. घंटो की मशकतों के बाद पुल में फंसे हाड़वा को निकाला गया। इधर घटना की सूचना पर जयरामपुर कोलियरी और उसके आसपास के सैकड़ों ग्रामीण बागडिगी पुल के पास इकट्ठा होकर आउटसोर्सिंग प्रबंधक और लोदना प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लग। इस बीच जनता श्रमिक संघ और जनता मजदूर संघ बगुचा गुट के कार्यकर्ता भी ग्रामीणों के साथ सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। जनता श्रमिक संघ के एरिया सचिव रविकांत पासवान ने कहा कि आउटसोर्सिंग प्रबंधक और बीसीसीएल प्रबंधन को मिलीभगत से यह सारा खेल रचा जा रहा है। आउटसोर्सिंग प्रबंधन मममाने ढंग से परियोजना के विस्तारीकरण के लिए लोगों को हटाना चाह रहा है। प्रबंधन की मंशा पूरे पुल को ही तोड़ने की थी। लोगों के विरोध के बाद प्रबंधन ने जल्द ही पुल के मरम्मत का भरोसा दिया। जिसके बाद लोग शांत हुए। जनता श्रमिक संघ के संयुक्त महामंत्री अभिषेक सिंह ने कहा कि प्रबंधन किसी के घर के पास आबी गिरा कर तो कभी हेवी ब्लास्टिंग कर लोगो हटाना चाह रहा है। लोदना प्रबंधन और आउटसोर्सिंग प्रबंधन ने एक साजिश के तहत पुलिया को क्षतिग्रस्त कर दिया है ताकि रियोजना विस्तारीकरण का काम आसानी से हो सके।

अल्पसंख्यक समाज में हेमंत सरकार के प्रति नाराजगी: शहजाद अनवर

धनबाद। धनबाद पहुंचे झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष शहजाद अनवर ने अपने ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है. धनबाद के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए शहजाद अनवर ने कहा कि अज्ञात कारणों से सरकार अल्पसंख्यक समाज पर अपेक्षा के अनुरूप ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मांब लीचिंग को रोकना राज्य सरकार का काम है। राज्य में गठबंधन की सरकार रहते हुए बार-बार बोलने के बावजूद मांब लीचिंग को लेकर सरकार कानून नहीं ला रही है। उन्होंने कहा कि दो साल पहले विधानसभा से कानून पारित कराकर राज्य सरकार ने स्वीकृति के लिए राज्यपाल को भेजा था। राजभवन ने उसमें त्रुटि बताकर उसे सरकार को वापस कर दिया। उसके बाद से अब तक मांब लीचिंग को लेकर कानून बनने का इंतजार ही किया जा रहा है। इससे पहले धनबाद सर्किट हाउस पहुंचने पर कांग्रेस नेताओं ने शहजाद अनवर का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर सयाल सिंह ब्रोका के साथ दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

शहर में ऑटो व टोटो परिचालन, किया जाएगा सुव्यवस्थित

धनबाद। ट्रैफिक डीएसपी राजेश कुमार ने गुरुवार 20 जुलाई को शहर में ऑटो परिचालन के लिए नियमों को लेकर ऑटो व टोटो चालकों के साथ अपने कार्यालय में बैठक की बैठक में सेवादल चालक संघ, झारखंड परिवहन



मजदूर यूनियन और ऑटो महासंघ के पदाधिकारियों ने भाग लिया. ट्रैफिक डीएसपी ने टोटो के अनियंत्रित परिचालन ना करने, नाबालिगों के टोटो ना चलाने और नो एंट्री में जाने पर रोक लगाने का सुझाव दिया। बताया गया कि शहर में शीघ्र ही नो एंट्री को बोर्ड लगाई जाएगी। पूर्व के मुद्दों पर हुई चर्चा बैठक में ट्रैफिक डीएसपी ने बताया गया कि वर्ष 2014 में तत्कालीन डीसी प्रशांत कुमार के नेतृत्व में सभी ऑटो सघों की बैठक हुई थी। जिसमें रेलवे सकुलेंटिंग एरिया से होकर ऑटो परिचालन पर सहमति बनी थी। लेकिन उसके बाद देखा गया कि सकुलेंटिंग एरिया में जाने से शाम में विभिन्न समस्या उत्पन्न हो रही है. जिसके बाद पूर्व डीसी ए दोडे और नगर निगम की अध्यक्षता में बैठक हुई थी। जिसमें यह निर्णय लिया गया था कि जो ऑटो सकुलेंटिंग एरिया होकर जाना चाहते है वह सकुलेंटिंग एरिया में जायेगा. और जिसको नहीं जाना है बिना रुके हुए विनोद बिहारी चौक से सीधा रिंगांटन को ओर चले जायेगे। बैठक में मुख्य रूप से झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन जिला अध्यक्ष सुनील कुमार पासवान, राजेश प्रसाद, सचिव सेवादल रविंद्र कुमार, अशोक रावानी, बबलू सिंह, अजीत श्रीवास्तव,ऑटो महासंघ से छोटन सिंह शामिल थे।

पीएनएम बैठक में रेलकर्मियों के कई समस्याओं पर चर्चा

समाधान के लिए मंडल प्रशासन गंभीर हो: डी के पांडेय

रेलकर्मियों के प्रति मानवीय

व्यवहार जरूरी: मो ज्याऊद्धीन नव प्रदेश संवाददाता

धनबाद। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के साथ मंडल रेल प्रबंधक धनबाद की स्थाई वार्ता तंत्र की इस वर्ष की तीसरी बैठक के दूसरे दिन कई महत्वपूर्ण समस्याओं की ओर यूनियन प्रतिनिधियों ने प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। बैठक में प्रशासनिक पक्ष की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा ने तथ संचालन वरिय मंडल कार्मिक अधिकारी अजीत कुमार ने किया। बैठक में कार्यवृत्त सहयोग सहायक कार्मिक अधिकारी रवि कुमार पंडित ने किया। ईसीआरकेयू पक्ष की अध्यक्षता केन्द्रीय अध्यक्ष डी के पांडेय ने किया तथा संचालन पी एन एम प्रभारी सह अपर महामंत्री मो ज्याऊद्धीन ने किया। मंडल रेल प्रबंधक सेशन में अपनी बात रखते हुए केन्द्रीय कोषाध्यक्ष सह जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा ने मंडल में इंजिनियरिंग के स्थाना कायों को मंडल स्तर पर कार्मिक विभाग के



अधीन सौंपने, ओबरा, भुरकुंडा तथा रांची रोड में नये आवासों के निर्माण करने, चोपन में नये पानी की टंकी तथा पार्सल लाईन बिछाने, मगरदहा, फफराकुंड, खुलदिलरोड तथा मिचाधूरी, कृष्णशीला, अनपरा स्टेशनों पर पेयजल आपूर्ति व्यवस्था करने, टोरी शिवपुर तथा बरकाकाना मेसरा सेक्शन में ब्रेक डाउन अटेंड करने जाने वाले कर्मचारियों के लिए गाड़ी की व्यवस्था करने, मंडल के अंदर तथा मंडल के बाहर स्थानांतरण के आवेदनों के त्वरित निष्पादन करने की मांग रखी। सहायक महामंत्री ओमप्रकाश ने पतरातु अस्पताल में आवश्यक संरचना उपलब्ध कराने, पतरातु में

मेल एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव की अनुमति देने, दंड के विरुद्ध अपील पर त्वरित निस्तारण करने, प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अपने कर्मचारियों के प्रति मानवीय व्यवहार अपनाने, मेट और कोमैन के पदेन्नाति प्रक्रिया के खामियों को दूर करने सहित कई प्रमुख मुद्दों पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। केन्द्रीय अध्यक्ष डी के पांडेय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशासन एवं कर्मचारी के बीच बेहतर संबंध आवश्यक है तथा प्रशासन को अपने कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए गंभीर होना चाहिए। लगातार संवाद करने से कठिन मामलों के समाधान के रास्ते

चतरा पुलिस कि कार्यवाई के विरोध में सड़क पर उतरे दैहर के सैडको ग्रामीण, घण्टो सडक जाम, पूर्व विधायक पहुंचे

चतरा एसपी से पूर्व विधायक ने किया टेलीफनीक वार्ता, छः युवकों को पुलिस ने छोड़ा

किसी का दरवाजा तोड़, घर मे घुसी पुलिस तो कही महिलाओं के साथ किया दुर्व्यवहार, ग्रामीणों का आरोप

चौपारण। चतरा जिले के इटखोरी प्रखण्ड स्थित परसौनी में बीते दिनों दो समुदायों के बीच खेल मैदान को लेकर आपसी झड़प हो था। दोनों तरफ के आवेदन के आधार पर इटखोरी पुलिस मामला दर्ज कर जाँच पड़ताल शुरू किया। दर्ज मामले में चौपारण प्रखण्ड के दैहर के दर्जनों लोगों को नामजत अभियुक्त बनाया गया है। बीते रात्रि चौपारण पुलिस की संचालन से इटखोरी पुलिस दलबल के साथ दैहर पहुँच नामजत अभियुक्तों का खोजबीन शुरू किया। अहले सुबह दैहर के सैकड़ों महिला पुरुष सड़क पर उतर कर इटखोरी पुलिस के पुलिसिंग कार्यवाई का विरोध करते हुए बेदना चौक के समीप सड़क को जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना पाकर मौके पहुँचे बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने घटना की स्थिति का जायजा लिया। ग्रामीणों ने पूर्व विधायक को बताया कि दर रात्रि इटखोरी पुलिस दैहर पहुँच कर पूरे



घर में घुसकर घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ शुरू कर दिया। परसौनी घटना में जिसका नाम नहीं है उसके घर मे भी तोड़फोड़ किया गया। बताया कई बेगुनाह स्कूली छात्र को पकड़ कर इटखोरी थाना ले गई है। मामले को गंभीरता लेते हुए बरही के पूर्व विधायक ने मौके वारदात से चतरा एसपी ने टेलीफोनिक वार्ता करते हुए घटना को निन्दनीय बताया। पूर्व विधायक ने एसपी से तत्काल बेगुनाह लोगों को छोड़ने का आग्रह किया और दैहर में हुए पुलिसिंग कार्यवाई का जाँच पड़ताल करने का मांग किया। पूर्व विधायक ने कहा कि निदोष लोगों को फसाया नहीं जाए। एसपी के अस्वाशन के बाद

लगभग चार घन्टे बाद जाम हटया गया और शनिवार को दैहर के ग्रामीणों के साथ एसपी से वार्ता करने का समय दिया। पूर्व विधायक ने कहा कि रात में कार्यवाई नही करना चाहिए और कोई दोषी है तो उससे दिन में जाकर जांचपड़ताल करना चाहिए। घटना के बाद पूर्व विधायक को दैहर निवासी राकेश पांडेय, भीम दाँगी घर जाकर पुलिस द्वारा तोड़फोड़ व दुर्व्यहार को जाना। इधर सड़क जाम की सूचना पाकर बेटना चौक पहुँचे बरही एसडीओ पूनम कुजूर, डीएसपी नाजोर अख्तर, बीडीओ प्रेमचंद सिन्हा, थाना प्रभारी शम्भू नंद ईश्वर ने पहुँचे व स्थिति जायजा लिया।

संपददर्श से मृतक स्कूली छात्र के परिजनों से मिलने पहुंचे पूर्व विधायक

परिजन को जल्द मिले मुआवजा

की राशि: मनोज यादव

चौपारण। बीते दिनों प्राथमिक विद्यालय ब्रजादास लखावर में स्कूली छात्र का साँफ काटने से मौत हो गया था। परिजनों के हो हंगामे के बाद डीसी ने मामले को संज्ञान लिया था। और बीडीओ और बीईईओ को जांच का आदेश दिया था। एधर घटना की सूचना मिलने के बाद पीड़ित परिवार से मिलने ब्रजादास केदुंवा पहुंचे बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव। पूर्व विधायक ने पीड़ित परिवार से मिलकर घटना की जानकारी लिया और घटना के प्रति गहरी सवेदना प्रकट किया। परिजनों ने शिक्षकों की लापरवाही के कारण मौत का कारण बताया। इस दौरान पूर्व



विधायक ने अधिकारियों से टेलीफोनिक वार्ता कर नियम संगत जल्द से जल्द मुआवजे की राशि पीड़ित परिवार को देने का मांग किया। पूर्व विधायक ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग देकर भविष्य में हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। मौके पर स्थानीय मुखिया गंदौरी दाँगी, सांसद प्रतिनिधि मुकुन्द साव, भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश सिन्हा, पूर्व

मुखिया संघ अध्यक्ष राजदेव यादव, भाजपा उपाध्यक्ष रामस्वरूप पासवान, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मो सैराज, महामंत्री आशीष सिंह, भाजपा नेता जन्मजय सिंह, मो अंसारी, सुपेन्द्र भुइयों, सुरेश भूइया, कोल्हा भुइयों, धनराज रविदास, सुलग रविदास, मो कलाम, सरोज सिंह, बबलू सिंह, हबीब मिर्वा, रामवृक्ष सिंह, सरोज देवी, सहित कई लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य समिति की बैठक में लोहरदगा डीडीसी ने दिए कई निर्देश



लोहरदगा। उच्च विकास आवुक्त समीर एस की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में हुई। बैठक में लोहरदगा जिले में इस वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में एएनसी रजिस्ट्रेशन, एपीमिक महिलाओं की पहचान व उनका ईलाज, हिमोग्लोबीन की कमी वाले महिलाओं की पहचान व उनका ईलाज, लिंगानुषात, संस्थागत प्रसव, कुशल अटेंडेंट के द्वार घर में हुए डिलिवरी, नवजात को एक घंटे के अंदर स्नानाण कराये जाने, अल्पवयजी बच्चों की संख्या आदि बिंदुओं पर समीक्षा की गई। स्थिलि सर्जन को जिला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए क्रय किये गये अल्ट्रासाउण्ड मशीनों के संचालन के लिए यूपीएस का क्रय कर अल्ट्रासाउण्ड मशीनों का इस्तेमाल प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया। बैठक जून माह में टीबी रोगियों, मलेरिया रोगियों और कुछ रोगियों की पहचान व ईलाज की समीक्षा की गई व आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में नीति आयोग की ओर से विभिन्न इंडीकेटर्स पर दिये गये।

मुहर्रम को ले तेतुलमारी थाना में हुई शांति समिति की बैठक



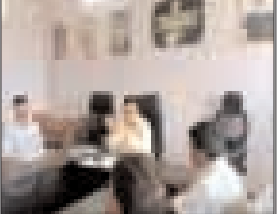
तेतुलमारी। थाना के प्रांगण में गुरुवार की शाम मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी आशीष कुमार यादव व संचालन मानिक ठाकुर ने किया। थाना प्रभारी ने कहा कि पहले से रिकॉर्डेड म्यूजिक या डीजे बजाए जाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी रहेगी। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले लोगों पर भी प्रशासन की पैनी नजर रहेगी।साफ सफाई पर भी ध्यान दिया जाएगा संवेदनशील जगहों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ हुड दगियों पर विशेष नजर रहेगी। पूर्व से निर्धारित रास्ते हो कर शांतिपूर्ण ढंग से अफवाहों पर ध्यान ना देने के साथ किसी भी तरह की अप्रिय सूचना मिलने पर प्रशासन को सूचित करने की अपील की गई।वही बैठक में मुख्य रूप से शिव प्रसाद महतो, मनोज कुमार निपाद, पंकज सिंह, दीपेश चौहान प्रदीप वर्मा, राजू मल्लाह, मोहम्म जाहिर, मोहम्मद मोइउद्दीन, मोहम्मद फकरुद्दीन, गीता देवी, कोशलया देवी,प्रेमा पाण्डेय, आदि लोग उपस्थित थे।

2 माह से मास्क लाइट है खराब यात्रियों को हो रही है परेशानी



गोड्डा। विगत 2 माह से मोहनपुर बैरियर के समीप लगा हुआ मास्क लाइट खराब पड़ा हुआ है ज्ञात हो कि लाइट नया लगाने के बाद बहुत कम समय में ही खराब हो गया अंधेरी रात में बिजली का न होना यात्रीयों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती है। इस दिशा में नगर पंचायत के अधिकारियों को इसकी सूचना दी जा चुकी है लेकिन इसके बावजूद अभी तक मास्क लाइट ठीक नहीं हुआ है। विभागीय लापरवाही का आलम यह है कि जो मास्क लाइट त्वरित गति से ठीक किया जाना था कई माह से लंबित खराब पड़ा हुआ है । मास्क लाइट के नहीं काम करने से जनमानस में आक्रोश भी है। इससे महामाया नगर पंचायत की पोल खुलने नजर आ रहा है। इस मास्क लाइट का सुधि लेने वाला कोई नहीं हैसमार्ट लाइट का सुधि लेने वाला कोई नहीं है।

बीएलए व सुपरवाइजर्स को दिया गया प्रशिक्षण



धनबाद। धनबाद प्रखंड के प्रखंड सभागार में आज बृथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) व पर्यवेक्षकों को मतदाता सूची विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने एसएसओ -2024 के अहम बिंदुओं पर सभी बीएलओ व सुपरवाइजर्स को पन्ना सत्यापन, घर घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन, फर्म 6, 7, 8, के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही र्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत चुनाव पाठशाला, वोटर अवेयरनेस फोरम इत्यादि के गठन के लिए विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

हेप्पी चाइल्ड नर्सरी में वर्णमाला दिवस की धूम

धनबाद। नन्हे - मुन्हे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु कटिबद्ध धनबाद के प्रतिष्ठित हेतु प्राचीन विद्यालय हेप्पी चाइल्ड नर्सरी में शुक्रवार को बच्चों में वर्णमाला के ज्ञान को मुखरित करने के प्रांजल उद्देश्य से वर्णमाला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को शिक्षण की अनेक वैज्ञानिक विधियों द्वारा वर्णमाला का ज्ञान एवं पहचान विद्यालय की उपप्रधानाचार्या मिली शर्मा के निदेशन में प्रबुद्ध शिक्षकों के सानिध्य में कराया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में वर्णमाला के ज्ञान को प्रखर करना एवं बच्चों के ज्ञान को संवर्धित करना था। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्या मिली शर्मा सहित सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बेड़ो एवं बारीडीह पड़हा जतरा शीघ्र ही राजकीय मेला घोषित होगा : शिल्पी

नवप्रदेश संवाददत्ता

बेड़ो: विधायक शिल्पी नेहा तिकीं ने कहा कि मांडर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बेड़ो बाजार टांड एवं बारीडीह जतरा टांड में एक ही दिन तीन को को परंपरागत रूप से वर्षों से आयोजित होनेवाला वार्षिक पड़हा जतरा समारोह हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। उन्होंने कहा कि इन दोनों पड़हा जतरा को शीघ्र ही राजकीय मेला घोषित किया जायेगा।उन्होंने कहा कि इसी संदर्भ में रांची के उपायुक्त द्वारा शुक्रवार को रांची में आयोजित बैठक में उन्होंने बेड़ो



के पड़हा जतरा समारोह तथा बारीडीह पड़हा जतरा समारोह को राजकीय मेला एवं महोत्सव घोषित करने के सम्बन्ध में आग्रह

किया था। उसका अनुमोदन रांची के उपायुक्त द्वारा कर दिया गया है। इधर शीघ्र ही उस पर विभागीय अनुशंसा कर दी जायेगी। विधायक

ने कहा कि आदिवासियों की सामाजिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित होनेवाला पड़हा जतरा आदिवासियों एवं मूलवासियों के परस्पर सहयोग का आधार है। इसमें पड़हा समाज के लोग अपने-अपने प्रतीक चिन्ह झण्डा,हाथी, घोड़ा,रम्पा-चम्पा, झण्डा, ढोल, ढाक, नगाड़ा, रणभेरी व मांदर आदि के साथ निकाली गई विशाल शोभायात्रा में भाग लेते हैं। उन्होंने कहा कि पड़हा जतरा एक समृद्ध परम्परा है। जिसमें विभिन्न पड़हा क्षेत्र के राजा दीवान, पहान, महतो,

कोटवार आदि की अगुवाई में विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। यहाँ परंपरागत सामाजिक सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण्ण बनाने व विकास की योजना के साथ साथ सामाजिक पारम्परिक व्यवस्था आदि की समीक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि इन्हीं के बलबूते पर झारखण्ड के लोग अपने सपनों के सहारे ऊँची उड़ान भरते हैं। उन्होंने कहा कि मांडर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बेड़ो के बाजार टांड प्रांगण में पड़हा जतरा समारोह और बारीडीह पड़हा जतरा वर्षों पूर्व से चली आ रही जनजातीय

परंपरा व सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है। इसके आयोजन के कारण न केवल इस क्षेत्र के ग्रामीणों के जीवन में उत्साह का संचार होता है, बल्कि अनेक लोगों के लिये यह जीवन-यापन का माध्यम भी है। क्योंकि अनेक छोटे किसान-व्यापारी इस मेले का पूरे साल भर इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार पुनः नये सिर से इस बात का संकल्प लेने की जरूरत है कि हम अपनी संस्कृति के अनुरूप ही हमेशा आगे बढ़ते रहें। साथ ही झारखण्ड के विकास एवं यहाँ के लोगों की प्रगति में अपना योगदान देते रहें।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय पैरा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में चयनित झारखंड के सात दिव्यांग खिलाड़ियों को दी बधाई

नवप्रदेश संवाददत्ता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को काँके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मलेशिया में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय पैरा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में चयनित झारखंड के सात दिव्यांग खिलाड़ियों ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत ही खुशी की बात है कि हमारे राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों से चयनित दिव्यांग खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले पैरा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में प्रदर्शन करने का मौका मिला रहा है। मुख्यमंत्री ने विस्वास जताया कि मलेशिया में



आयोजित इस प्रतियोगिता में झारखंड से चयनित इन सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने यहां के खिलाड़ियों के विकास के लिए एक बेहतर खेल नीति बनाई है। इस नई खेल नीति का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को अधिक से अधिक मदद पहुंचाकर उन्हें

अंतरराष्ट्रीय फलक पर पहचान देना है।

राज्य सरकार आपके साथ सदैव खड़ी है

इस अवसर पर मुलाकात करने पहुंचे पैरा थ्रो बॉल खिलाड़ी प्रतिमा तिकीं, अनीता तिकीं, तारामणि लक्‌ड़ा, असुंता टोपो, महिमा उरांव, जयश्री, सनोज

मानसून सत्र में मुख्यमंत्री के विभागीय प्रश्नों का जवाब देंगे सात मंत्री

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू हो रहा है। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रभार वाले विभागों से संबंधित प्रश्न, ध्यानाकर्षण, निवेदन, याचिका, संकल्प आदि सभी प्रकार की विधायी सूचनाओं के उत्तर देने व अन्य विधायी कार्य के लिए सात कैबिनेट मंत्रियों को प्राधिकृत कर दिया गया है। इस संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है। जारी अधिसूचना के अनुसार मंत्री आलमगौर आलम को गृह, कराए एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग, कार्मिक विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग, संसदीय कार्य विभाग, विधि विभाग के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए अधिकृत किया गया है।

मीतको याद किया। अलबेले सावन पर मधुमिता नेरिमझिम फुहारों से मौसम हसीन है,चायों ओर छाई हरियाली से मौसम रंगीन हैं उस पर आया सावन अलबेला है से माहौल में रूमानियत ला दिया। आये हम सब शरण तुम्हारी, शिवशंभु भोले भंडारी गाकर रंजना वमां उनमुक्त ने झुगमा।

कब छोटें से बड़ा हो गया, अपने पैरों पर खड़ा हो गया, पता ही नहीं चला का उलाहना सुशील अंकन ने दिया। डंडु पायशर ने निर्गुण गीत की प्रस्तुति दी। शशिकला ने सुंदरगीत प्रस्तुत किया। इसके अलावा रक्‌शेा रमन, रमातुज पाठक, जवाहरलाल, आशुतोष प्रसाद एवं रागिनी ने भी अपनी रचनाओं को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के शुरुआत मसीह मुख्ज अतिथि अशोक तिवारी का स्वागत शशिकला एवं केबी सहाय ने अंगवस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया।

उम्रकैद की सजा काट रही महिला कैदी की इलाज के दौरान मौत

रांची। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में आजीवन कारावास की सजा काट रही महिला कैदी सीता कुमारी की रिस्म में इलाज के दौरान शुक्रवार को मौत हो गई। वह सिमडेगा जिले के कुंदरुमुंडा गांव की रहने वाली थी। जेल में तबीयत खराब होने के बाद उसे इलाज के लिए 10 जुलाई को रिस्म में भेटी कराया गया था। जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। रिस्म के मेडिकिन विभाग के डॉ विद्यापति की देखरेख में सीता का इलाज चल रहा था। चिकित्सक के अनुसार वह टीबी (यक्ष्मा) और कुपोषण की शिकार थी। मृत कैदी सीता को पोस्टमार्टम प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई।

यूथ 20 एंगेजमेंट गुुप के सहयोग से विचार मंथन

नव प्रदेश संवाददत्ता

रांची: भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के सहयोग से सीआईआई यंग इंडियंस रांची चैप्टर ने यूथ 20 एंगेजमेंट गुुप के सहयोग से विचार मंथन का आयोजन किया। विचार मंथन में युवा भारतीय उपलब्धि हासिल करने वालों और बिजनेस नेटवर्किंग संगठनों के बीच एक संवाद किया गया। सत्र में वक्ताओं ने युवाओं के लिए रोजगार, जीवन के तरीके के रूप में अनुसंधान और नवाचार और

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर अपने विचार साझा किए।

डॉ. मयंक मुरारी, सीनियर डिप्टी महाप्रबंधक, सीएसआर, पीआर, उपा मार्टिंट लिमिटेड ने कहा कि हमें 21वीं सदी के कौशल हासिल करने की जरूरत है और खुद को बेहतर बनाने में संकोच नहीं करना चाहिए। सीसीएस के कार्मिक, मानव संसाधन विकास विभाग के मुख्य प्रबंधक संजय कुमार ने कहा कि किसी भी काम के लिए योजना योजना बनानी चाहिए। आपके पास एक दृष्टि होनी चाहिए, जो उस काम



मनेगा आण्डाल जयन्ति, बँधेंगे रक्षा-सूत्र

नव प्रदेश संवाददत्ता

रांची : पहाड़ी मन्दिर के निकट स्थित श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मन्दिर में दिव्य- देशिये मंदिरों के प्रमुख त्योहारों में से एक आण्डाल जयन्ति दिवस 22 जुलाई शनिवार को है। इस पुण्य अवसर पर ब्रह्ममुहूर्त में अनुष्ठान होंगे। यह आण्डाल देवी श्रीलक्ष्मीजी की अवतारिका हैं, इन्हें उत्तर भारत के वैष्णवजनों ने गोदादेवी या गोदाम्मा के नाम से पुकारते हैं। आण्डाल जयन्ति को दक्षिण भारत में



आड़िपुरम के नाम से मनाते हैं। एकसमय की बात है कि आलवार संतो में प्रमुख श्रीविष्णुचिंतपुरि भगवान् के सेवार्थ बगीचे में तुलसी

पौधे लगा रहे थे, तभी मिट्टी खोदने के क्रम में कुदाल का एक गहरा छेव मारे कि भूमि से अपूर्व सुन्दरी एक बालिका प्रकट हुई। चतुर्थी तिथि तुला लग्न में पूवाफाल्गुनी नक्षत्र के शुभ योग में तुलसी बन के पृथ्वी से प्रकट होनेवाली वह बालिका श्री आण्डाल देवी थी। और इस प्रकार भक्तो ने महाशक्ति से आशीर्वाद पाने के लिए उनकी पूजा करने लगे। आण्डाल जयन्ति पर भारत के सभी प्रसिद्ध वैष्णव मन्दिरों में पूजा-अनुष्ठान आयोजित होते हैं और माता आण्डाल देवी (महालक्ष्मी जी) को रक्षा-सूत्र

अर्पित किये जाते हैं। बाद में सभी भक्तों के कलाई में यह रक्षा- सूत्र आशीर्वाद - स्वरूप बाँधे जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस रक्षा-सूत्र धारण करने से जोड़ा दम्पति को संतान की प्राप्ति होती है, गर्भवती महिलाएँ और शिशु को बुरी ताकतों से बचाती है। ग्रह आदि के बाधा से बचाती है तथा जड़मती बच्चे को तीक्ष्ण बुद्धि, विद्या, आयु, आरोग्य और बल प्रदान करती हैं। आण्डाल देवी का प्राकट्य दसवी सदी में दक्षिण भारत, तमिलनाडु के विल्लूपितुर में हुआ।

एक नजर

खेती से ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधरेगा : बंधु तिकीं

बेड़ो: पूर्व मंत्री,झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश कृषिास कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिकीं ने शुक्रवार को बेड़ो प्रखण्ड के विभिन्न गाँवों में धान रोपाई की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने अपेक्षित वर्षा न होने से निराश महिला-पुरुष किसानों से मुलाकात किया। इस दौरान किसानों ने उन्हें कहा कि वर्षा न होने के कारण खेती पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

किसानों ने कहा कि धान के बिचड़े तैयार हैं परंतु अपर्याप्त बारिश के कारण किसान किसी भी तरह से रोपनी को तैयारी कर रहे हैं। श्री तिकीं ने आज विशेष रूप से बेड़ो प्रखण्ड के करगे,पतराटोली, बेड़ो बैरटोली व जामटोली आदि गाँवों में खेतों का भ्रमण कर खेती की हालतवाल को जाना। उन्होंने किसानों को सांत्वना भी दिया। उन्होंने कहा कि हाली-किसानी ही हमारा आधार है। भले ही झारखण्ड की खनिज या वन संसाधन इसकी प्रचुरता के लिये जाना जाता हो। लेकिन खेती की उपेक्षा का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। इसीलिए सबसे बड़ी जरूरत यही है कि हम कभी भी खेती-किसानी को उपेक्षा की दृष्टि से ना देखें। उन्होंने बेड़ो प्रखण्ड के विभिन्न गाँवों में किसानों से मुलाकात के दौरान लोगों की मूलभूत समस्याओं की जानकारी लिया।

दुकान आवंटन के लिए पूर्व विधायक ने उपायुक्त को सौंपा झापन

बेड़ो: बेड़ो प्रखंड कार्यालय परिसर में पंचायत समिति फंड द्वारा निर्मित दुकानों के आवंटन में देरी को लेकर भाजपा की तरफ से लगातार झापन दिया जा रहा है। वहीं प्रशासन द्वारा अभी तक दुकान का आवंटन नहीं किया जा सका है। जहां मांडर की पूर्व विधायक सह भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष गंगोत्री कुजुर ने उपायुक्त रांची को झापन दिया है। जिसमें प्रशासन द्वारा 26 जून को 2023 तक आवंटन हेतु आवेदन मांगा गया था लेकिन प्रचार प्रसार के अभाव में लोगों की इसकी जानकारी नहीं हो पाई। जिसके कारण जरूरतमंद व बेरोजगार लोग आवेदन जमा नहीं कर पाएं। पूर्व विधायक ने दोनों दुकानों के आवंटन निष्पक्ष व पारदर्शिता के लिए लोगों को जानकारी देकर व प्रचार प्रसार करके आवंटन की प्रक्रिया कराये जाने की मांग की है। ज्ञात हो कि पूर्व में भी 10 जुलाई को भाजपा कार्यकर्ताओं ने दुकानों के आवंटन को लेकर बीडीओ को झापन सौंप कर आवंटन करने का मांग किया था।

उषा मार्टिन विवि के बीबीए तथा बीसीए प्रोग्राम को डायलॉग इंडिया मैगजीन द्वारा झारखण्ड में सर्वश्रेष्ठ रैंक

अनगड़ा । सर्वाधिक पढ़ी जानेवाली इंग्लिश भाषा मैगजीन डायलॉग इंडिया मैगजीन द्वारा भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों के नेशनल रैंकिंग सर्वे 2023 में उषा मार्टिन विश्वविद्यालय को झारखण्ड राज्य में पहला स्थान मिला है । जबकि इंजीनियरिंग प्रोग्राम में दूसरा रैंक मिला है।भारत में लगातार दूसरी बार विवि यह स्थान प्राप्त करने में सफल रहा है । एक सर्वे के अनुसार यह रैंक दिया गया है विश्वविद्यालय के चेयरमैन हेमन्त गोयल ने सभी अधिकारियों, शिक्षकगण, छात्र एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि अत्यधिक लचीले और उद्योग उन्मुख पाठ्यक्रम के साथ हम सभी को समावेशी शिक्षा प्रदान करना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त विवि के पास हेल्थ साइंस में फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, कृषि, अंग्रेजी, पत्रकारिता एवं जन संचार,लॉ आदि में समृद्ध कोर्स हैं ।

हाथी के हमले से महिला घायल

अनगड़ा। टाटी पंचायत के अश्वामेड़ा में शुक्रवार की सुबह करीब छह बजे अपने घर के बगल में खुखड़ी चुनने गई वैशाखी देवी (पति महेश मुण्डा) को एक जंगली हाथी ने अपनी सूंड से पटक दिया। इस हमले में वैशाखी देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। जख्मी महिला को झामुमो के जिला उपाध्यक्ष सह सिकली विस प्रभारी टाटी मुखिया रामानंद बेदिया इलाज के लिए रिस्म ले गए । मिली जानकारी के अनुसार वैशाखी देवी सुबह में खुखड़ी चुनने घर के बगल में ही स्थित झाड़ी में गई हुई थी। झाड़ी में पहले से छिपा हुआ था। हाथी ने उसपर हमला कर दिया। जां बचाकर दौड़ते हुए वह अपने घर की ओर भागी। हाथी ने दौड़ाकर उसे घर के पास पकड़ा और सूंड से पटक दिया। हाथी के उसके कमर, पैर व हाथ में गंभीर चोट आई है। ग्रामीणों का हो-हल्ला सुनकर नरना हाथी जंगल की ओर भाग गया। वनविभाग की ओर से वनरक्षी कृष्णा महतो ने पीड़िता के पति को पांच हजार रुपय की मुआवजा राशि प्रदान किया है।

स्वास्थ्य शिविर में 50 रोगियों की हुई जांच

अनगड़ा। शालिनी अस्पताल अनगड़ा व उषा मार्टिन फाउंडेशन के तत्वोपधान में शुक्रवार को हरीनगर, टाटीसिलवे में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। डॉ अमरिंदन गुडिया रोगियों की स्वास्थ्य जांच की। 50 मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया। सभी के बीच निशुल्क दवा का वितरण भी किया गया । उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा ये कार्यक्रम लगातार चलाया जा रहा है जिसमे अनगड़ा एवं नामकुम प्रखंड के ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं। स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में शालिनी अस्पताल के प्रबंधक शशिार भागत, अजीत कुमार महतो, संपुजनंद महतो, हरीनगर से रामदेव राय, शैलेंद्र सिंह आदि का योगदार रहा।

श्राद्धकर्म के लिए किया सहयोग

अनगड़ा। नवागढ़ के पंचायत समिति सदस्य फाल्गुनी शाही व मुखिया भुवनेश्वर बेदिया ने ओबर गांव निवासी जागरण बेदिया के श्राद्धकर्म के लिए सहयोग किया है। दोनो जनप्रतिनिधियों ने मृतक के गांव जाकर खाद्य सामग्री देकर सहयोग किया। विगत दिनों ओबर गांव के लाह उत्पादक किसान जागरण बेदिया का लाह के पेड़ से गिर जाने से मौत हो गई थी। इस क्रम में संजय बेदिया, दिलीप मिर्धा, शानिनचरवा बेदिया, कर्मदेव बेदिया, लालकु बेदिया आदि उपस्थित थे।

उत्क्रमित उच्च विद्यालय गेतलसूद अंडर-17 के बालक व बालिका वर्ग के फाइनल में पहुंची

अनगड़ा। खेलो झारखंड को लेकर शुक्रवार को अनगड़ा प्रखंड मुख्यालय मैदान में दो दिवसीय सुब्रतो मुखर्जी अंडर-17 व अंडर-14 फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। पहले दिन अंडर-17 बालिका वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय गेतलसूद व बानपुर की टीम फाइनल में पहुंची। अंडर-17 बालक वर्ग में प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय जोहना व उत्क्रमित उच्च विद्यालय गेतलसूद के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा। शनिवार को फाइनल और अंडर-14 की मैच खेली जाएगी। इससे पूर्व टूर्नामेंट का उदघाटन अनगड़ा प्रमुख दीपा उरांव, विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र मुण्डा व सांसद प्रतिनिधि कामेश्वर महतो ने की। इस मौके पर बीइओ भारोसी मुग्दू, बीपीओ पंकज तिकीं, संयोजक प्रदीप कुमार महतो, विवेक कुमारी, रतनी तिकीं, तर्पिषा नाग, कमला एक्का, दिलीप महतो, उमेश शर्मा, नैशाद अहमद, अरविंद महतो, दीपक कच्छप आदि उपस्थित थे।

योग वाणी सेमिनार 23 को, राज्यपाल होंगे मुख्य अतिथि

रांची। रांची स्थित आईएमए सभागार में



23 जुलाई को योग वाणी सेमिनार का आयोजन किया जायेगा, जिसमें झारखंड के चिकित्सक और योग जिज्ञासु हिस्सा लेंगे। सेमिनार सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक दो सत्रों में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शामिल होंगे. इंडियन योग एसोसिएशन झारखंड राज्य समिति के नेतृत्व में रांची की मेडिकल एसोसिएशन, झारखंड न्यूरोसाइंस सोसाइटी और रॉकफील्ड हेल्थ केयर इसका आयोजन कर रहे हैं। योग वाणी सेमिनार में वीवाईएमए विश्वविद्यालय के कुलपति तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग सलाहकार पद्मश्री डॉ. एचआर नोगेंद्र और केवक्य धाम लोनावाला के अकादमिक व ट्रेनिंग अध्यक्ष डॉ. एन. गणेश राव तनाव योग के बारे में जानकारी देंगे। इस कार्यक्रम में फिजीसीयन डॉ. पीएन सिंह, आईएमए के सचिव डॉ. पंकज बोदरा, आईएमए रांची के अध्यक्ष डॉ. शेखर चौधरी काजल, सर्जन डॉ. रमेश दास, मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ. अनुज कुमार के अलावा कई प्रसिद्ध चिकित्सक उपस्थित रहेंगे।



केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने संभाला तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष का कार्यभार

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया।4 जुलाई को किशन रेड्डी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की घोषणा की गई थी। इस साल तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने है।

मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म की शिकायत पर धिरा

महिला आयोग, आयोग ने राज्य सरकार पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली (हि.स.)। मणिपुर के वायरल वीडियो से एक महीने पहले राष्ट्रीय महिला आयोग को भेजी गई शिकायत पर दिलाई बरते जाने पर अब आयोग पर भी सवाल उठने लगे हैं। शुक्रवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि मणिपुर में हुई हिंसा एवं महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों से संबंधित कई शिकायतें मिलीं, जिस पर आयोग ने मणिपुर के सचिव को दो बार पत्र लिखा है। इन शिकायतों पर राज्य सरकार को कार्रवाई करनी थी। आयोग संबंधित अधिकारियों के संपर्क में रहा है। रेखा शर्मा ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने दो बार राज्य सरकार को पत्र लिखा है। इसके साथ वायरल वीडियो के संबंध में आयोग ने मणिपुर के पुलिस महानिदेशक और सचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हिंसा के बीच महिलाओं के खिलाफ अपराध पर देश के बाहर और देश के अंदर से कई शिकायतें आई थीं। शिकायतों पर एक्शन लेते हुए मणिपुर के सचिव को पत्र लिखा गया। शिकायतों पर राज्य सरकार को कदम उठाना चाहिए।

पंचायत चुनावों में हिंसा के लिए भाजपा ने ममता सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के हुगली से भाजपा सांसद लॉकेंट चटर्जी ने पंचायत चुनावों में हुई हिंसा पर ममता सरकार पर निशाना साधा है। लॉकेंट चटर्जी ने शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पश्चिम बंगाल में पंचायत का चुनाव खूनी चुनाव साबित हुआ। भाजपा के बृथ एजेंटों की गोली मार कर हत्या की गई। सांसद चटर्जी पश्चिम बंगाल में महिलाओं पर हो रही ज़्यादतियों का जिक्र कर भावुक हो गई। उन्होंने कहा कि एक ही दिन में बंगाल के अलीपुर द्वार और वीरभूम में दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया गया। जिस तरह से पश्चिम बंगाल में महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ हो रहा है, वह बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में जो घटना हुई वो बहुत दुखद है, हम उसकी कड़ी निंदा करते हैं, ऐसी घटना कहीं भी नहीं होनी चाहिए, लेकिन बंगाल के दक्षिण पंचवला में भाजपा की महिला सदस्य को पंचायत चुनाव लड़ने के कारण निर्वस्त्र करके घुमाया गया। क्या ये मणिपुर से कम दुखद घटना है? उन्होंने कहा कि बंगाल में कुछ दिन पहले हुए पंचायत चुनाव में जो हिंसा हुई वह आप सबको पता है। ये हिंसा पश्चिम बंगाल की राजनीति के साथ बहुत वगैरे से जुड़ी हुई है। लेफ्ट के शासनकाल में भी वहां हिंसा होती थी। 2011 में ममता बनर्जी ने बंगाल के लोगों को अपनी सरकार आने के बाद आश्वासन दिया था कि ये हिंसा बंद होगी, लेकिन परिवर्तन कुछ नहीं हुआ बल्कि ममता सरकार में हिंसा और ज़्यादा बढ़ गई है।

नौसेना की विजय 'जी-20 थिंक' हुई अंतरराष्ट्रीय, फाइनल 22 नवम्बर को इंडिया गेट पर होगा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय नौसेना ने 'जी-20 थिंक' का दूसरा संस्करण लॉन्च किया है, जो अब राष्ट्रीय से बढ़कर अंतरराष्ट्रीय हो गया है, जिसका फाइनल 22 नवम्बर को इंडिया गेट पर होगा। इस अंतरराष्ट्रीय राउंड में जी-20 के 9 देशों के आमंत्रित अतिथि शामिल होंगे। इससे पहले नेशनल राउंड में देश के सभी हिस्सों से 10,000 से अधिक स्कूलों ने भागीदारी की है, जिसका फाइनल मुंबई के गेटवे ऑफ़ इंडिया पर 18 नवम्बर की होगा। भारतीय नौसेना की अंतरराष्ट्रीय विजय 'जी-20 थिंक' का आयोजन जी-20 सचिवालय, भारतीय नौसेना और नौसेना कल्याण और कल्याण एसोसिएशन के तत्वावधान में किया जा रहा है। विजय की अवधारणा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिযোগिता के रूप में की गई है, जो विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों के युवाओं को एक साथ लाकर उन्हें 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना में स्थायी मित्रता बनाने में सक्षम बनाती है। यह प्रतियोगिता कक्षा 9 से 12 के स्कूली बच्चों के लिए है। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण 31 जुलाई को बंद होगा। राष्ट्रीय स्तर की 'थिंक-22' प्रतियोगिता में पिछले साल देशभर से 6425 स्कूलों ने भाग लिया था, जिसकी सफलता के बाद इस साल इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाया गया है। राष्ट्रीय दौर में देश के सभी हिस्सों से 10,000 से अधिक स्कूलों की भागीदारी की है। कई ऑनलाइन राउंड के बाद 16 नवम्बर को मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल के लिए सोलह स्कूलों का चयन किया जाएगा। इसके बाद शीर्ष आठ टीमें 18 नवम्बर को मुंबई के गेटवे ऑफ़ इंडिया पर होने वाले फाइनल में राष्ट्रीय ताज के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। अंतरराष्ट्रीय दौर के लिए भारतीय टीम में दो मुख्य विजयर्स और एक स्टैंडबाय शामिल होंगे, जिनका चयन प्रतिष्ठित जूरी के जजिये होगा। सभी सोलह सेमीफाइनल टीमों को नौसेना डॉकयार्ड का दौरा करने और जहाजों, पनडुब्बियों पर नौसेना कर्मियों के साथ बातचीत करने का अवसर भी मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय दौर में जी-20 के 9 देशों के आमंत्रित सदस्य शामिल होंगे, जिसमें प्रत्येक देश कक्षा 9 से 12 के दो छात्रों की एक टीम को नामांकित करेगा। प्रश्नोत्तरी अग्रणी में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगी। उचित प्रक्रिया के बाद अंतरराष्ट्रीय फाइनल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दिल्ली के इंडिया गेट पर 22 नवम्बर को अंतरराष्ट्रीय टीमों का चयन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री और श्रीलंकाई राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय वार्ता, सहयोग के कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को श्रीलंका के ग्‍रष्‍टपति र्निल विक्रमसिंघे के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान उन्होंने भारत की सुरक्षा चिंताओं से उन्‍हें अवगत कराया और श्रीलंकाई तमिलों के प्रति देश की प्रतिबद्धता पुन करे आह्‍व किया। श्रीलंका के ग्‍रष्‍टपति विक्रमसिंघु फुवार को भारत की वे दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। शुक्रम्‍बर सुबह प्रधानमंत्री नरेन्‍द्र मोदी ने उनका हार्दिकवाद हाउस में स्वागत किया। वहां दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्‍तर की वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं की मौजूदगी में कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। भारत, श्रीलंका ने नवीकरणीय उर्जा, क्रिकेामाली जिले में परियोजनाओं के आर्थिक विकास और गुपीआई उद्योग पर समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त बयान दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने श्रीलंकाई तमिलों का मुद्दा उठाया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि श्रीलंका सरकार तमिलों की अपेक्षाओं को पूरा करेगी। समानता, न्याय और शांति के लिए पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगी। साथ ही उन्होंने मजदूरों के मुद्दे को मानवीय प्रतिक्रिया से देखने का आह्‍वन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और श्रीलंका के सुरक्षा और विकास हित एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। इन मुद्दों पर श्रीलंका सरकार को भारत की संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की ह्‍यड्रोजेसी प्रथमह्‍व की नीति और ह्‍यसागरह्‍व विजन दोनों में ही श्रीलंका का महत्वपूर्ण स्‍थान है। इस संबंध में आज हमने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्‍ट्रीय मुद्दों पर विचार साझा किए। प्रधानमंत्री ने भारत की ओर से एक बार फिर दोहराया कि एक निकटतम मित्र होने के नाते भारत हमेशा संकटकाल में श्रीलंका के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि दोनों देशों ने आज एक विजय डॅक्‍युमेंट अयनाया है। यह विजन दोनों देशों के बीच समुद्री, वायु, उर्जा और संपर्क के क्षेत्र में सहयोग को मजबूती देगा। विजयन पर्यटन, बिजली, वाणिज्य, उच्‍च शिक्षा और कौशल विकास में आपसी सहयोग को गति देने से जुड़ा है। इस विषय में भारत की श्रीलंका के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता भी शामिल है। उन्होंने बताया कि व्यापार और लोगों की यात्रा को बढ़ाने के लिए हमने तमिलनाडु के नागपट्टिनम और श्रीलंका के ककिंसतुरई के बीच यात्री नौका सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। भारत श्रीलंका के साथ बिजली ग्रिड के काम को गति प्रदान करेगा। दोनों देश श्रीलंका के साथ भूमि पुल, तेल पाइपलाइन की व्यवहार्यता पर काम करेंगे।

उत्तराखंड के मुख्य सचिव को मिला छह महीने का सेवा विस्तार देहरादून (हि.स.)। भारत सरकार ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव डॉ. सुखवीर सिंह संधू को छह महीने का सेवा विस्तार दे दिया है। यह जानकारी प्रदेश के सचिव (सामान्य प्रशासन) ने आज यहां दी। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के मुख्य सचिव डा. सुखवीर सिंह संधू को 31 अगस्त से 31 जनवरी, 2024 तक छह महीने का सेवा विस्तार दिया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के डीओ पत्र संख्या पीएस-सीएम/2023 द्वारा छह महीने की अवधि के लिए डॉ. संधू के सेवा विस्तार के लिए लिखा गया था, जिस पर सक्षम अधिकारी भारत सरकार के अपर सचिव प्रभून्‍द्र पाठ सिंह की ओर से आदेश जारी किया गया है।

रायगढ़ हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत, इरशालवाड़ी के पीड़ितों को मिलेगा पक्का घर

मुंबई (हि.स.)। रायगढ़ के इरशालवाड़ी गांव में पहाड़ी धंसकने की घटना में अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है। घटना के पीड़ितों को पक्का घर देने का निर्णय महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट बैठक में लिया गया है। साथ ही जर्जर इमारतों और खतरनाक जगहों पर रहने वालों को भी सरकार दूसरी सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को विधानसभा में बताया कि रायगढ़ की घटना की जानकारी मिलते ही वे तत्काल मौके पर पहुंचे थे और वहां राहत और बचाव कार्य का जायजा लिया था। सीएम शिंदे ने कहा कि इस घटना में अब तक 21 लोगों की मौत हुई है। मृतकों में एक फायर ब्रिगेड का जवान भी शामिल है। इरशालवाड़ी गांव में



साइकिल तक के जाने का रास्ता नहीं है। इसलिए यहां जेसीबी, पोकेलरन नहीं जा सकती है। मौके

पर फावड़े और कुदाल से ही मलबा हटाने का काम चल रहा है। यहां आज एक महिला जीवित अवस्था

में निकाली गई है। एनडीआरएफ

और सिडको कर्मी यहां मलबा हटाने का काम कर रहे है।

स्टालिन ने लिखा मोदी को पत्र- श्रीलंकाई राष्ट्रपति के सामने तमिल हितों की बात रखने का आग्रह किया

श्रीलंका के राष्ट्रपति इस पद पर आसीन होने के बाद पहली बार भारत आ रहे है: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

चेन्नई/ नई दिल्ली (हि.स.) तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक लंबा पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने तमिलनाडु और श्रीलंका के बीच के कई स्थानीय व राष्ट्रीय मुद्दों को उठाते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री इन विषयों को भी अपनी बातचीत में शामिल करें और कोई समाधान निकालें। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति र्निल विक्रमसिंघे 21 व 22 जुलाई को भारत की राजकीय यात्रा पर हैं । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति इस पद पर आसीन होने के बाद पहली बार भारत आ रहे हैं। भारत और श्रीलंका के बीच आर्थिक और



सांस्कृतिक संबंधों के साथ-साथ भौगोलिक निकटता के चलते तमिलनाडु से जुड़े कई मुद्दे काफी समय से लंबित हैं। इसमें कच्चावटी द्वीप पर फिर से अधिकार के साथ ही भारतीय मजदूरों के पारंपरिक मछली पकड़ने के अधिकारों का संरक्षण सबसे प्रमुख है। इसके साथ ही श्रीलंका में तमिलभाषी लोगों की वास्तविक आकांक्षाओं को

संबोधित करना और उनके अधिकारों और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करना एक महत्व का विषय है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि वे इन दोनों महत्व के विषयों पर श्रीलंका के राष्ट्रपति के समक्ष अवश्य उठाएं। उल्लेखनीय है कि कच्चावटी द्वीप एक समय में भारत का हिस्सा हुआ

प्रधानमंत्री शनिवार को रोजगार मेले में 70 हजार युवाओं को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 70,000 से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री इन व्यक्तियों को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि रोजगार मेला देशभर में 44 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इस पहल का समर्थन करने वाले केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों व केंद्रशासित प्रदेशों में भर्तियां हो रही हैं। देशभर से चुने गए नए कर्मचारी राजस्व विभाग, वित्तीय सेवा विभाग, डाक विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, जल संसाधन विभाग, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग और गृह मंत्रालय सहित सरकार के विभिन्न मंत्रालयों व विभागों में नियुक्त किये जाएंगे।

ग्रीस के जंगलों में भीषण आग के बाद लागू हुआ आपातकाल, चपेट में आए रिहायशी इलाके

एथेंस(हि.स.)। ग्रीस के जंगलों में भीषण आग से जन-जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। आग इतनी भयावह हो गयी है कि तमाम रिहायशी इलाके भी चपेट में आ गए हैं। ग्रीस व रोड्स आइलैंड में आपातकाल लागू कर दिया गया है। समूचा यूरोप इन दिनों भीषण गर्मी और गर्म हवाओं से जूझ रहा है। इसी बीच, ग्रीस के जंगलों में भीषण आग तेजी से फैल रही है। अब तक 35 वर्ग किलोमीटर से अधिक जंगल जलकर राख हो चुका है। आग की तेजी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि तमाम रिहायशी इलाके भी आग की चपेट में आ गए हैं। प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। आग पर काबू पाने के प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहे हैं, क्योंकि तेज हवाएं बार-बार आग को बेकाबू कर देती हैं। ग्रीस के अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता विआनिस आटोपोइस ने बताया कि बीते 24 घंटे में ग्रीस के जंगलों में 62 जगहों पर आग लगने की घटना हुई है। ग्रीस के पश्चिमी अट्टिका इलाके में आग के चलते लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। कुछ लोग अपने घरों को छोड़कर जाने को तैयार नहीं और वह प्रशासन के आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि जंगलों की आग फैलने के कारण उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रीस और रोड्स आइलैंड में आपातकाल लागू कर दिया गया है।

शहीद दिवस: धर्मतल्ला में ममता ने दिखाई ताकत, कहा- 2024 में न्यू इंडिया का जन्म होगा

कोलकाता (हि.स.)। धर्मतल्ला में शहीद दिवस कार्यक्रम के लिए राज्य भर से एकत्रित हुए कार्यकर्ताओं के समक्ष शुक्रवार को गुणमूल सुग्रीमो ममता बनर्जी ने केंद्र पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा है कि वह चुनौती स्वीकार करने वाली महिला हैं। उन्होंने दावा किया कि 2024 में न्यू इंडिया का जन्म होगा।

केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि हमें डराने-धमकाने और झुकाने की कोशिशें हो रही हैं लेकिन हम ना डरेंगे, ना झुकेंगे और ना ही स्केम। मैं चुनौती स्वीकार करने वाली महिला हूं। अपने फंड से 100 दिनों का रोजगार जारी रखेंगी सरकार इसके अलावा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह भी घोषणा की कि रोजगार गारंटी योजना का फंड रोक दिया है। इससे बंगाल के मजदूर वर्ग बेहद परेशानी में है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपने फंड रिलीज करवाने के लिए दो अक्टूबर यानी महात्मा गांधी की जयंती वाले दिन से बड़ा आंदोलन होगा। उस दिन पार्टी का दिल्ली चलो चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नई

ममता बनर्जी के संबोधन से पहले उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने संबोधन के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लाखों लोग दिल्ली जाकर आंदोलन करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी पांच अगस्त को राज्य में भाजपा नेताओं के घरों का घेराव किया जाएगा। ममता व्यंों मनाती हैं शहीद दिवस 90 के दशक में ममता बनर्जी कांग्रेस की युवा इकाई की अध्यक्ष थीं। तब साफ-सुथरी और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए मतदाता पहचान पत्र बनाने की मांग पर उन्होंने व्यापक आंदोलन किया था। उस समय राज्य में वाम मोर्चा की सरकार थी और ज्योति बसु मुख्यमंत्री थे। कोलकाता के राइटर्स बिल्डिंग में राज्य का सचिवालय हुआ करता था। ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों मजदूरों, किसानों, बेरोजगारों, युवाओं ने उनकी याद में शहीद दिवस मनाते थे। सचिवालय घेराव का आह्वान किया और उनके एक बुलावे पर राज्य भर से हजारों लोग कोलकाता में राइटर्स बिल्डिंग का घेराव करने के लिए पहुंच गए। सचिवालय की ओर बढ़ रहे लोगों की भीड़ का नेतृत्व ममता बनर्जी कर रही

थीं। उसी समय एक दूसरी भीड़ भी दूसरी ओर से सचिवालय की ओर बढ़ने लगी। मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने उन्हें सचिवालय तक पहुंचने से रोकने के लिए सख्ती बरतने का निर्देश पुलिस को दे दिया। बैरिकेडिंग की गई, पुलिस ने भी मानव चेन बनाकर ममता के पोंछे भीड़ को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली तो लाठी चार्ज करनी पड़ी। फिर भी उनकी याद में शहीद दिवस मनाती है। कांग्रेस के बंदूकें गरज पड़ीं। जब शोर मचा तो 13 निहत्थे लोग पुलिस की गोली का शिकार होकर मारे जा चुके थे जबकि हजारों अन्य घायल हुए थे। उसके बाद से लेकर हर साल ममता बनर्जी उनकी याद में शहीद दिवस मनाती है। कंग्रेस छोड़ कर उन्होंने गुणमूल का गठन कर लिया। उसके बाद भी उन शहीदों की याद में हर साल कोलकाता में शहीद दिवस का आयोजन करती हो जुलूस निकलना शुरू हो गया था, जो इन जरिया होता है। हर साल मंच पर शहीदों के

कैबिनेट की बैठक में लिया गया है। इसके लिए जगह चिन्हित कर ली गई है। यह काम सिडको को दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिडको के पास घर बनाने की क्षमता है, इसलिए पीड़ितों को बहुत जल्द पक्का घर मिल जाएगा।

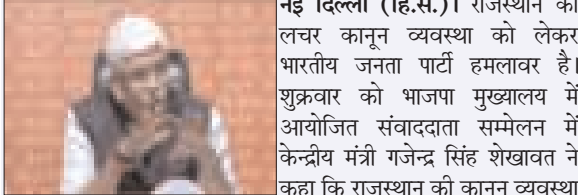
मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ी धंसकने वाले स्थानों को चिन्हित किया गया था, लेकिन इरशालवाड़ी उस लिस्ट में नहीं था। कैबिनेट में निर्णय लिया गया है कि इस तरह जो भी खतरनाक स्थल हैं, वहां से लोगों को तत्काल स्थानांतरित किया जाए। सीएम शिंदे ने कहा कि लोगों का जीवन कीमती है, इसलिए सरकार नियमों से ऊपर उठकर लोगों का जीवन बचाने के लिए काम करने वाली है।

संक्षिप्त

जिला न्यायाधीश स्तर पर एआईजेएस गठन के प्रस्ताव पर फिलहाल सहमति नहीं : सरकार

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि जिला न्यायाधीशों के स्तर पर नियुक्ति के लिए एक भर्ती तंत्र, अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (एआईजेएस) स्थापित करने के प्रस्ताव पर फिलहाल कोई सहमति नहीं है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संविधान (42वां संशोधन) अधिनियम, 1976 ने संविधान में अनुच्छेद 312 अंत:स्थापित किया जो अखिल भारतीय न्यायिक सेवाओं (एआईजेएस) के सृजन का उपबंध करता है। संवैधानिक उपबंध एआईजेएस के जिला न्यायाधीश स्तर पर सृजन को समर्थ करता है, जिसमें जिला न्यायाधीश से निम्न कोई पद सम्मिलित नहीं है। सरकार के दृष्टिकोण में उचित ढंग से तैयार अखिल भारतीय न्यायिक सेवा संपूर्ण न्याय परिधान प्रणाली को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। यह एक उचित अखिल भारतीय मेधावी चयन प्रणाली के माध्यम से उपयुक्त योग्यता वाली नई विधिक प्रतिभा के प्रवेश का अवसर प्रदान करने के साथ-साथ समाज के सीमांत और वंचित वर्गों के उचित प्रतिनिधित्व को समर्थ बनाकर सामाजिक समादेश के मुद्दे भी हल करेगा। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय न्यायिक सेवा (एआईजेएस) के गठन के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया गया था और उसे नवंबर, 2012 में सचिवों की समिति द्वारा अनुमोदित किया गया था। देश में कुछ सर्वोत्तम प्रतिभाओं को आकर्षित करने के अतिरिक्त यह न्यायपालिका में सीमांत वर्गों और महिलाओं में से सक्षम व्यक्तियों के समावेश को भी बेहतर बना सकता है। मेघवाल ने बताया कि एआईजेएस के गठन के प्रस्ताव पर राज्य सरकारों और उच्च न्यायालयों की राय मांगी गई थी। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन पर राज्य सरकारों तथा उच्च न्यायालयों के बीच विचारों की भिन्नता थी। जबकि कुछ राज्य सरकारों और उच्च न्यायालयों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, कुछ अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के सृजन के पक्ष में नहीं थे। मंत्री ने कहा कि कुछ अन्य लोग केंद्र सरकार द्वारा तैयार प्रस्ताव में परिवर्तन चाहते हैं। मेघवाल ने बताया कि प्रमुख हितधारकों के बीच राय की भिन्नता को देखते हुए, फिलहाल अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन के प्रस्ताव पर कोई सहमति नहीं है।

भाजपा ने गहलोत सरकार पर बोला हमला, कहा अपराध के मामले में नम्बर वन प्रदेश बना राजस्थान



नई दिल्ली (हि.स.)। राजस्थान की लचर कानून व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी हमलावर है। शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि राजस्थान की कानून व्यवस्था चरमरा गई है। शेखावत ने कहा कि आज भ्रष्टाचार के मामले में राजस्थान एक नंबर पर पहुंच गया है। कांग्रेस के शासनकाल में राज्य में 10 लाख से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हुए। इसके साथ राजस्थान महिलाओं के खिलाफ अपराध में भी पहले स्थान पर आ गया है। पिछले साढ़े चार साल में दो लाख से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान के कांग्रेसी नेता महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध का मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नेता खुद अपनी सुरक्षा को लेकर प्रशासन पर सवाल उठा रही हैं। लेकिन कांग्रेसी नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने एक बार भी राजस्थान के प्रभावित जिलों का दौरा नहीं किया। अशोक गहलोत की सरकार पूरी तरह से फेल है। उन्होंने कहा कि हर दूसरे दिन राजस्थान में कही न कही किसी न किसी व्यापारी को धमकी देकर वसूली की घटनाएं हो रही हैं। राजस्थान के आमजन में डर है और अपराधियों के हासिले चरम पर है। महिलाओं के खिलाफ भी अपराध बढ़े हैं। जाहिर है राजस्थान की जनता इन सबका माकूल जवाब देगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान में साढ़े 4 साल पहले किसानों को और युवाओं को आश्वासन का पिटारा देकर एक सरकार बनी। प्रदेश में चुनाव परिणाम आने के बाद आपसी सिर फुटीव्वल नजर आया। साढ़े 4 साल तक राजस्थान में किससा कुर्सी का चलता रहा। एक कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं था और दूसरा कुर्सी को छोड़ने को तैयार नहीं था। इनके इस द्वंद में राजस्थान के लोगों ने ये समय खून के घूंट पीकर बिताया।

परिजन मौजूद रहते हैं।

तुणमूल का दावा है कि शहीद दिवस कार्यक्रम में कम से कम पांच लाख लोग एकत्रित हुए हैं। इसमें राजधानी कोलकाता, हावड़ा, हुगली, और आंध्र प्रदेश 24 परगना के साथ-साथ दक्षिण और उत्तर बंगाल के विस्तृत इलाके से तुणमूल कार्यकर्ताओं को एकत्रित किया गया है। शुक्रवार को सारा दिन हावड़ा, सियालदह और कोलकाता स्टेशनों पर लोगों का तांता लगा रहा। **महानगर में ठप रही यातायात व्यवस्था, परेशान हुए लोग** शहीद दिवस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कोलकाता में आठ जगहों से जुलूस निकला। श्याम बाजार, हावड़ा, सियालदह, गिरिश पार्क, बिड़ला तारामंडल, मिलन मेला और हाजरा से जुलूस जब रवाना हुआ तो पूरे कोलकाता की यातायात व्यवस्था धुम गई थी। जो लोग बसों में बैठे थे वे दो-दो घंटे तक फंसे रहे। स्थानीय स्तर पर सुबह नौ बजे से ही जुलूस निकलना शुरू हो गया था, जो इन जरिया होता है। हर साल मंच पर शहीदों के

स्वत्वाधिकारी यशवंत धोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजिट एडमिनिस्ट्रियटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटुआ मौजा, प्लॉट नं.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्र नाथ पाण्डेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं-0651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)

